RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः286, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

लोक आस्था का महापर्व छठः सोमेश्वरनाथ महादेव नगरी में श्रद्धा और सुगम व्यवस्था... 03

पंचायत प्रतिनिधियों को 50 लाख का बीमा और 5 लाख की मदद... 04

जान्हवी कपूर ने सुंदर दिखने के लिए कराई सर्जरी बोलीं- सब मां के मां के मार्गदर्शन... 07

असम का कमरकुची बना सिंगर जुबीन का स्मारक स्थल

गांव में हर रोज 5 से 10 हजार लोग पहुंच रहे,अब तक 5 लाख गमछे चढ़े

सोनापुर (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने से हो गई थी। 23 सितंबर को सोनापुर जिले के कमरकुची में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। गुवाहाटी से 31 किमी दूर इस गांव में 10 बीघा के करीब जमीन को जुबीन का 'देवालय' सा मान लिया गया है। अब यहां हर रोज 5 से 10 लोग उनकी समाधि पर पहुंच रहे हैं। कई ऐसे भी हैं जो यहां 500-800 किमी दूर से पहुंच रहे हैं। इनमें हर उम्र के लोग शामिल हैं। जुबीन ने 52 की उम्र तक 40 हजार से ज्यादा गाने खुद लिखे और गाए। जुबीन के अंतिम संस्कार के बाद से इन 36 दिनों में उनकी समाधि पर अब तक 5 लाख से ज्यादा असमिया गमछे चढ़ाए जा चुके हैं। हजारों चिट्ठियां जुबीन के नाम पर यहां चढ़ाई जा चुकी हैं। यहां आने वाले लोग भी वही गमछा पहने नजर

आते हैं, क्योंकि जुबीन अपनी असमिया पहचान के लिए इसे चूमते थे। इन गमछों में वही बातें लिखी हैं, जिन्होंने जुबीन को 'असम का लाड़ला' बनाया। गमछों पर लिखा है- जय जुबीन दा। धेमाजी जिले के जोनाई से आई मनीषा मिली गुरुंग बोलीं- मेरे बेटे सुनु को 2015 में किडनी की बीमारी हुई। जब यह बात जुबीन दा को बताई तो इलाज के लिए 5.50 लाख दिए। किसी अनजान से कोई इतनी मोहब्बत कैसे कर सकता है। मैं बीमार हूं, कई दिनों से भर्ती हूं, फिर अस्पताल से निकलकर उन्हें ढूंढ़ने यहां आई हूं।

उन्होंने मेरा दर्द बांटा था, आज उनका दर्द बांट रही हूं। गुवाहाटी से आई मोरोनी राभा गुमसुम बैठे रोते हुए मिलीं। उन्होंने दो टूक कहा- यह जगह श्मशान नहीं, अब देवालय बन चुकी है और हम भक्त। महिलाएं 24 घंटे भजन-कीर्तन कर रही हैं। जुबीन के प्रति भक्ति दर्शाने के लिए घंटों अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। ऐसा नजारा अब दुनिया में कहीं नहीं दिखेगा।

बिना छात्र के चल रहे देश के 8 हजार स्कूल!

इन स्कूलों में तैनात हैं 20 हजार टीचर्स,हैरान कर रही रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में 2024-25 शैक्षणिक सत्र के दौरान करीब 8,000 स्कूलों में एक भी छात्र का एडमीशन नहीं हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक ऐसे स्कूल 3,812 थे, जिनमें शून्य नामांकन दर्ज किया गया। इसके बाद तेलंगाना 2,245 स्कूलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इन शून्य नामांकन वाले स्कूलों में कुल 20,817 टीचर तैनात थे। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल में ही 17,965 शिक्षक ऐसे स्कूलों में कार्यरत थे। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 सत्र के 12954 से घटकर 2024-25 में शून्य नामांकन वाले स्कूलों की संख्या 7993 रह गई, जो करीब 5,000 की कमी दर्शाती है।

तुर्की नहीं करवा पाया तालिबान-पाकिस्तान में समझौता

- 9 घंटे की बैठक बेनतीजा, दोनों देश अपनी-अपनी बात पर अड़े

इस्तांबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने डोनाल्ड ट्रंप की तर्ज पर प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने की कोशिश की। उन्होंने इस्ताबुल में तालिबान के साथ होने वाली बैठक से पहले कहा था कि अगर बैठक बेनतीजा रहती है तो पाकिस्तान, अफगानिस्तान पर हमला करेगा। ये बैठक बेनतीजा रही है। करीब 9 घंटे की तालिबान और पाकिस्तान के बीच की बैठक बिना किसी औपचारिक

समझौते के खत्म हो गई। तुर्की में हुई बैठक के दौरान दोनों देशों ने सीमा तनाव कम करने और तत्काल डी-एस्केलेशन पर सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक, यह वार्ता दोनों पक्षों के बीच बढ़ते अविश्वास के माहौल में हुई, जहां सैन्य, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कई बार काफी तीखी बहस हुई। हालांकि इसके बावजूद दोनों पक्षों ने अस्थायी शांति बनाए रखने पर सहमति जताई, जिसे सीनित राहत कहा जा रहा है, स्थायी समाधान नहीं। यानि, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कभी भी सीजफायर का बुलबुला फूट सकता है। दरअसल, बैठक में पाकिस्तान का पूरा फोकस तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानि टीटीपी पर था, जिसका मकसद पाकिस्तान में अफगानिस्तान जैसा इस्लामिक शासन कायम करना है।

जीएसटी बचत, वंदे मातरम और छठ पर्व का जिक्र

छठ पूजा की खरना पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार दिवसीय छठ महापर्व के एक प्रमुख अनुष्ठान खरना पूजा के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं, जो सूर्य देव और छठी मैया के सम्मान में मनाया जाता है। पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी को महापर्व छठ की खरना पूजा की असीम शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को सादर नमन! श्रद्धा और संयम के प्रतीक इस पावन अवसर पर गुड़ से तैयार खीर के साथ ही सात्विक प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा रही है। मेरी कामना है कि इस अनुष्ठान पर छठी मइया हर किसी को अपना आशीर्वाद दें। अपने मैसेज के साथ, पीएम मोदी ने दिनेश लाल यादव, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'निरहुआ' के नाम से जाना जाता है, उनका एक गीत साझा किया, जिसका टाइटल है 'सुख लेके उगिह दुख लेके डूबिह।' दिनेश लाल यादव एक प्रमुख भोजपुरी अभिनेता, गायक, निर्माता और राजनीतिज्ञ हैं, जो भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में आजमगढ़ से अखिलेश यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन बाद में उन्होंने 2022 के उपचुनाव में उसी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। पीएम ने छठ मैया से लोगों के लिए आशीर्वाद मांगा।

रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 127वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, जीएसटी बचत उत्सव को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह है। इस बार त्योहारों के दौरान भी कुछ ऐसा ही सुखद माहौल देखने को मिला। बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। मैंने अपने पत्र में खाद्य तेल की खपत में 10 फीसदी की कमी करने का भी आग्रह किया था और लोगों ने इस पर भी काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

रिया नाम की डॉग को किया याद

मन की बात में नरेंद्र मोदी ने कहा,पिछले साल लखनऊ में ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में रिया नाम की एक डॉग ने सबका ध्यान खींचा। यह बीएसएफ की ओर से प्रशिक्षित मुधोल हाउंड है। रिया ने कई विदेशी नस्लों को पीछे छोड़ते हुए वहां प्रथम पुरस्कार जीता। हमारे स्वदेशी कुत्तों ने भी अद्भुत साहस का परिचय दिया है। पिछले साल छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाके में गश्त के दौरान सीआरपीएफ के एक स्वदेशी कुत्ते ने 8 किलोग्राम विस्फोटक का पता लगाया था।

7 नवंबर को हम वंदे मातरम का उत्सव मनाएंगे

पीएम मोदी ने कहा, वेदों ने भारतीय सभ्यता की नींव इस भावना के साथ रखी कि पृथ्वी माता है और मैं उसकी संतान हूं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम की रचना करके मातृभूमि और उसकी संतानों के बीच के इसी रिश्ते को भावनाओं के ब्रह्मांड में एक मंत्र के रूप में प्रतिष्ठित किया। 7 नवंबर को हम वंदे मातरम के उत्सव के 150वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। वंदे मातरम की रचना 150 वर्ष पहले हुई थी और 1896 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे पहली बार गाया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप सभी चाय से मेरे जुड़ाव के बारे में जानते हैं, लेकिन आज मैंने सोचा, क्यों न मन की बात में कॉफी पर भी चर्चा की जाए। ओडिशा के कई लोगों ने कोरापुट कॉफी के बारे में अपनी भावनाएं मेरे साथ साझा कीं। मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद लाजवाब है और सिर्फ इतना ही नहीं; स्वाद के अलावा, कॉफी की खेती से भी लोगों को फायदा हो रहा है। कोरापुट में ऐसे लोग हैं जो अपने जुनून से कॉफी की खेती कर रहे हैं। भारतीय कॉफी पूरी दुनिया में बहुत लोकप्रिय हो रही है। इसलिए कॉफी प्रेमी कहते हैंः भारत की कॉफी अपनी सर्वोत्तम कॉफी है। यह भारत में ही बनती है और दुनिया भर में पसंद की जाती है। चाहे कर्नाटक का चिकमंगलूर, कुर्ग और हसन हो; तमिलनाडु का पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरी और अन्नामलाई क्षेत्र हो; कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर स्थित बिलिगिरी क्षेत्र हो; या केरल का वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार क्षेत्र हो-भारतीय कॉफी की विविधता वाकई अद्भुत है।

बस के अंदर रखे 234 मोबाइलों से भड़की आग!

- कुरनूल हादसे को लेकर चौंकाने वाला दावा,जांच भी तेज

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में में आग लगने की घटना की जांच जारी है। इस बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक बस के अंदर रखे गए 234 मोबाइलों के चलते आग इतना ज्यादा भड़की। बता दें कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल से बेंगलुरु जा रही निजी बस में आग लगने के चलते 20 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा सुबह के समय हुआ, जब बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। बस हादसे को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक बस में करीब 46 लाख रुपए की कीमत के 234 स्मार्टफोन का कंसाइनमेंट रखा था। जानकारी के मुताबिक यह कंसाइनमेंट हैदराबाद के व्यापारी का था। व्यापारी का नाम मगननाथ बताया गया है। रिपोर्ट में फॉरेंसिक एक्सपर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्मार्टफोन की बैटरियों में होते धमाकों के चलते आग और ज्यादा भड़क उठी। पुलिस ने इस मामले में दोनों बस ड्राइवरों के लापरवाही और ओवरस्पीड का मामला दर्ज किया है। यह केस हादसे में बचे एक यात्री एन रमेश की शिकायत पर दर्ज किया गया है। बस में दो ड्राइवर थे।

झारखंड में संक्रमित खून चढ़ाने से 5 बच्चे एचआईवी पॉजीटिव

- सिविल सर्जन समेत कई अधिकारी सस्पेंड,हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

रांची/चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही का मामला सामने आया है। थैलेसीमिया पीड़ित 5 बच्चे एचआईवी पॉजीटिव पाए गए हैं। उन्हें संक्रमित खून

चढ़ाया गया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिविल सर्जन समेत संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने पीड़ित बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का निर्देश दिया है। संक्रमित बच्चों का पूरा इलाज भी राज्य सरकार कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पाकिस्तान ने सलमान को आतंकवादी निगरानी सूची में डाला

बलूचिस्तान पर बयान के बाद शहबाज सरकार हुई आगबबूला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने हिन्दी फिल्मों के सुपरस्टार सलमान खान को आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया है। पाकिस्तान, सलमान खान के बलूचिस्तान पर दिए गये बयान से आगबबूला है। दरअसल सलमान खान रविवार को रियाद फोरम में अपने संबोधन के दौरान बलूचिस्तान का जिक्र किया था। जिसपर पाकिस्तान की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है और उन्हें आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने कथित तौर पर सलमान खान का नाम अपनी चौथी अनुसूची में शामिल कर लिया है, जो देश के आतंकवाद-रोधी अधिनियम (1997) के तहत एक श्रेणी है। इस लिस्ट में आमतौर पर उन व्यक्तियों को शामिल किया जाता है, जिन पर चरमपंथी संगठनों या गतिविधियों से जुड़े होने का संदेह होता है। इस सूची में शामिल लोगों पर कड़ी निगरानी, आवाजाही पर प्रतिबंध

और संभावित कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। बलूचिस्तान सरकार के गृह विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को जारी की गई अधिसूचना (सत्यापन के अधीन) के मुताबिक, सलमान खान को निगरानी सूची में रखने के निर्णय को उन्हें आजाद बलूचिस्तान सूत्रधार करार देकर उचित ठहराया गया है। यानि, सलमान खान बलूचिस्तान की आजादी का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सलमान खान ने रियाद में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर वैश्विक मानवीय चिंताओं के संदर्भ में बलूचिस्तान का नाम लिया था और उसे पाकिस्तान से अलग बताया था। सलमान खान ने रियाद फोरम में कहा था कि इस समय, अगर आप कोई हिंदी फिल्म बनाकर सऊदी अरब में रिलीज करते हैं, तो वह सुपरहिट होगी। अगर आप कोई तमिल, तेलुगु या मलयाली फिल्म बनाते हैं, तो वह करोड़ों का कारोबार करेगी क्योंकि दूसरे देशों से बहुत से लोग यहां आए हैं। बलूचिस्तान के लोग हैं, अफगानिस्तान के लोग हैं, पाकिस्तान के लोग हैं, हर कोई यहां काम कर रहा है। इस कार्यक्रम में शाहरुख खान और आमिर खान भी मौजूद थे।

पुलिस और बलों में कैसा काम कर रहे देसी कुत्ते

- खुद देखेंगे प्रधानमंत्री मोदी,विदेशी नस्ल की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ काम कर रहे देशी नस्ल के कुत्तों का काम पीएम मोदी खुद देखेंगे। राष्ट्रीय एकता दिवस के दिन यह मौका इसलिए और भी ज्यादा खास होगा क्योंकि 2020 में वह पीएम मोदी

ही थे, जिन्होंने विदेशी नस्ल के कुत्तों की जगह पर देशी नस्ल के कुत्तों को ट्रेनिंग देने का विकल्प सुझाया था। उस समय तक सुरक्षा बल और पुलिस विदेशी कुत्तों की नस्लों जैसे जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर रिट्रीवर और बेल्जियन मलीनोइस आदि पर काफी निर्भर थे। अब पांच साल के बाद सेना और बलों के साथ भारतीय नस्ल के कुत्तों का बोलबाला है। प्रधानमंत्री मोदी के पांच साल पहले दिए गए सुझाव पर सुरक्षा बलों ने काफी काम किया। अब पीएम मोदी अपने सुझाव की सफलता का जायजा लेंगे। परेड मार्च में भारतीय नस्ल के कुत्तों की एक पूरी टुकड़ी मार्च करेगी।

भारत की तेल की 'प्यास' बनती जा रही बड़ा खतरा!

सारे टारगेट फेल, अर्थव्यवस्था की साबित होगी कमजोर कड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल आयात पर भारत की निर्भरता बढ़ी है। अप्रैल-सितंबर 2025-26 के दौरान यह 88.4 फीसदी तक पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 87.9 फीसदी थी। घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन स्थिर रहने और ईंधन की मांग बढ़ने के कारण ऐसा हुआ है। यह बढ़ती निर्भरता भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। इससे व्यापार घाटा, विदेशी मुद्रा भंडार और महंगाई पर असर पड़ता है। सरकार तेल आयात कम करने की कोशिश कर रही है। लेकिन, घरेलू उत्पादन में कमी और बढ़ती मांग बड़ी चुनौती है। अप्रैल-सितंबर 2025-26 में

भारत का तेल आयात निर्भरता का स्तर 88.4 फीसदी रहा। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के 87.9 फीसदी से थोड़ा ज्यादा है। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले पूरे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह निर्भरता 88.2 फीसदी थी, जो एक रिकॉर्ड था। उद्योग के जानकारों का मानना है कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह निर्भरता अप्रैल-सितंबर के स्तर से थोड़ी और बढ़ सकती है, जैसा कि पिछले साल हुआ था। **ऊर्जा जरूरत में लगातार हो रहा इजाफा–** भारत की ऊर्जा की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। इसकी कई वजहें हैं। ऊर्जा का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले उद्योगों का बढ़ना, गाड़ियों की बिक्री में इजाफा, हवाई यातायात का तेजी से विस्तार, पेट्रोकेमिकल्स की बढ़ती खपत और जनसंख्या में बढ़ोतरी। ये सब तेल की मांग को बढ़ा रहे हैं। इन सब कारणों से भारत को तेल का आयात ज्यादा करना पड़ रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा जोखिम

भारत का तेल आयात पर इतना ज्यादा निर्भर होना उसकी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा जोखिम है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें ऊपर-नीचे होती हैं तो इसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। इससे देश के व्यापार घाटे पर असर होता है, यानी हम जितना निर्यात करते हैं, उससे कहीं ज्यादा आयात करते हैं। हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव होता है। रुपये की कीमत गिरती है और महंगाई बढ़ने का खतरा होता है। सरकार तेल आयात पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती है। लेकिन, घरेलू स्तर पर भारत कच्चे तेल का उत्पादन उतना नहीं बढ़ पा रहा है, जितनी मांग बढ़ रही है। यह एक बड़ी चुनौती है। साल 2015 में सरकार ने एक टारगेट रखा था। 2022 तक तेल आयात पर निर्भरता को 77 फीसदी से घटाकर 67 फीसदी करना था लेकिन, यह टारगेट पूरा नहीं हो पाया, बल्कि निर्भरता बढ़ी ही है। सरकार ने तेल और गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

कर्मियों ने मृतक के परिजनों को पीटा, बेतिया जीएमसीएच में मौत पर बवाल शव छोड़कर भागे नौ घंटे शव पर कब्जा

पटना। बेतिया जीएमसीएच में शनिवार को मानवता शर्मसार हुई। मरीज की मौत के बाद उसके परिजनों ने बवाल किया। अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित परिजनों ने नर्सिंग स्टाफ और जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट की। दुर्व्यवहार भी किया। अचानक हुई पटना से अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं कुछ देर के लिए पूरी तरह ठप हो गई। उसके बाद नर्सिंग कमी, जूनियर डॉक्टरों व सुरक्षा गार्डो ने भी गरीज के परिजनों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। उन्होंने महिलाओं पर भी हमला किया। जिसके बाद मृतक के परिजन शव जोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, अद्धसैनिक बल मौके पर पहुंचे। आक्रोशित लोगों को समझा मुझ्खकर शांत कराया। उसके बाद अस्पताल के कर्मियों और स्टाफ ने शव नहीं दिया। फिर शव को कब्ने में लेकर अस्पताल के बी-ब्लॉक में संचालित इमरजेंसी वार्ड के लॉन में बैठ गए। 9 घंटे शव को करूने में रखने के बाद दोपहर 1.30 बजे परिजनों को सौंप दिया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान बानुऊपर थाना के देषनगर निवासी प्रांणनय कुमार उर्फ बाबू (32) के रूप में हुई। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराये शव को लेकर चले गए। अभी तक आवेदन नहीं मिला है, आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

महुआ में बनेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, तेजप्रताप यादव बोले-चुनाव जीतने पर होगा निर्माण

हाजीपुर। वैशाली में जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक बड़ा चुनावी वादा किया है। उन्होंने अपनी विधानसभा सीट महुआ में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यादव का दावा है कि चुनाव जीतने के बाद वे इस स्टेडियम का निर्माण करवाएंगे, जहां भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच आयोजित किए जाएंगे। यादव ने अपने पिछले वादों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 2015 में महुआ सीट से विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज देने का वादा पूरा किया था। अब इस बार वे इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ-साथ क्रिकेट स्टेडियम बनवाने का काम करेंगे। उन्होंने दोहराया कि महुआ में ही भारत-पाकिस्तान का मैच करवाया जाएगा। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। न दिनों तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। वे लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। उन्हें कभी बाइक पर, कभी पैदल तो कभी अपनी कार की छत पर बैठकर लोगों का अभिवादन करते देखा जा रहा है। वे महुआ के मतदाताओं के साथ जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में, एक जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान, तेज प्रताप यादव एक व्यक्ति के पास रुके जो छठ पूजा के लिए धौड़े (बांस की टोकरी) बुन रहे थे। यादव ने भी बांस की कमची पकड़ी और उनके साथ धौड़े बुनने में हाथ आजमाया।

नित्यानंद राय बोले- 'जीतेंगे तब ना सीएम बनेंगे तेजस्वी', राघोपुर में भारी मतों से चुनाव हारने का किया दावा

हाजीपुर। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने वैशाली जिले के हाजीपुर में मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि राजद नेता तेजस्वी यादव राघोपुर विधानसभा सीट से चुनाव नहीं जीतेंगे और न ही मुख्यमंत्री बन पाएंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव के राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठाए। राय ने तेजस्वी यादव के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने खुद को 'जुबान का पक्का' बताया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेजस्वी ने बिहार के लिए आज तक एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी ने बड़े-बड़े विभागों का लाभ उठाया और घोटाले किए, जिस पर अब बिहार की जनता विश्वास नहीं करेगी। नित्यानंद राय ने तेजस्वी यादव को सलाह दी कि उनकी सरकार नहीं आने वाली है। उन्होंने 'वक्फ बिल फाड़ने' संबंधी तेजस्वी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। राय ने कहा कि यह बिल अल्पसंख्यक समाज के गरीब लोगों के हक और उन्नति के लिए है, और इस पर टिप्पणी करके तेजस्वी उन पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न तो उनकी सरकार आएगी और न ही वे यह बिल फाड़ पाएंगे। बता दें कि तेजस्वी यादव ने हाल ही में राघोपुर पहुंचकर अपने चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया था। इस दौरान उन्होंने विश्वास जताया था कि उन्हें अब राघोपुर आने की जरूरत नहीं है क्योंकि वहां के लोग उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगे और उन्होंने उन्हें चिंता मुक्त कर दिया है। तेजस्वी के इस बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, "जीतेंगे तब ना सीएम बनेंगे।" उन्होंने दावा किया कि इस बार तेजस्वी यादव को राघोपुर में हारना ही पड़ेगा और उनकी हार तय है। राय के अनुसार, तेजस्वी इस बार राघोपुर में भारी मतों से हारेंगे। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय हाजीपुर में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक में शामिल होने पहुंचे थे, जहां उन्होंने ये बयान दिए।

वैशाली में भाजपा प्रत्याशी के प्रचार वाहन के पोस्टर फाड़े, पातेपुर के चपुता गांव की घटना

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी लखेंद्र पासवान के प्रचार वाहन के पोस्टर फाड़ दिए गए। यह घटना तिसीऔता थाना क्षेत्र के चपुता गांव में हुई, जहां ग्रामीणों ने प्रचार का विरोध किया। प्रत्याशी समर्थकों ने बताया कि प्रचार वाहन महथी पंचायत के चपुता गांव पहुंचा था। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने वाहन पर लगे पोस्टर फाड़ दिए। समर्थकों का आरोप है कि ग्रामीणों ने गाड़ी चालक को गांव में दोबारा प्रचार करने आने पर मारपीट की धमकी भी दी। घटना की सूचना मिलते ही तिसीऔता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया ने पुलिस टीम के साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने एक पार्टी के प्रचार वाहन के पोस्टर फाड़े थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन प्रत्याशी या उनके समर्थकों की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि आवेदन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, कुल चार प्रचार गाड़ियों के पोस्टर फाड़े गए हैं। एनडीए प्रत्याशी लखेंद्र पासवान ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजद जैसी 'जंगल राज' की मानसिकता वाले लोगों को अब घबराहट हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में फिर से 'जंगल राज' स्थापित नहीं होने दिया जाएगा।

कुख्यात अपराधी के घर एसटीएफ की छापेमारी, वैशाली में उमाशंकर सिंह का घर सील, अवैध हथियार बरामद

हाजीपुर। वैशाली में बिहार एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी उमाशंकर सिंह के घर से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। यह छापेमारी करताहां थाना क्षेत्र के घटारो गांव में की गई, जो करीब सात घंटे तक चली। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि उमाशंकर सिंह के ठिकाने पर अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा छिपाकर रखा गया है। इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ की एक विशेष टीम ने शाम पांच बजे गांव में प्रवेश किया और रात बारह बजे तक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गांव में अफरातफरी का माहौल रहा। छापेमारी के दौरान एसटीएफ ने उमाशंकर सिंह के घर से देसी कट्टे, कारतूस, राइफल और हथियारों के कई पार्ट्स बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इन हथियारों की सप्लाई स्थानीय अपराधियों और विभिन्न गिरोहों को की जा रही थी। एसटीएफ टीम ने बरामद सभी हथियारों को जब्त कर लिया है और पूरे घर को सील कर दिया गया है। उमाशंकर सिंह और उसके कुछ सहयोगियों की तलाश में कई ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। उमाशंकर सिंह का नाम पहले भी रंगदारी, अवैध हथियार सप्लाई और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई एक बड़े नेटवर्क की कड़ी है, जो बिहार के कई जिलों में सक्रिय है। हथियारों की इस बड़ी बरामदगी के बाद यह माना जा रहा है कि अवैध हथियार कारोबार के पीछे किसी बड़े गिरोह की साजिश हो सकती है। छापेमारी के बाद से इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि उमाशंकर सिंह के घर पर अक्सर बाहरी लोगों की आवाजाही रहती थी। फिलहाल, एसटीएफ ने बरामद हथियारों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है और पूरे नेटवर्क की गहन पड़ताल शुरू कर दी है।

महाकाल गैंग में शामिल होने बदमाश लेते 5000 तक फीस

एजेंसी, पटना

- 25 साल के युवा चलाते गैंग, पटना में प्रोटेक्शन देने की गारंटी से लेकर हत्या-रंगदारी की लेते जिम्मेदारी

पटना में महाकाल गैंग नाम का गैंग एक्टिव है। इस गैंग का मुख्य काम जमीन कब्जा करना, रंगदारी मांगना, किसी निर्दोष को रुपए लेकर बेवजह परेशान करना, राह चलते वर्चस्व की लड़ाई में मारपीट करना और अपने गैंग से जुड़े लोगों को प्रोटेक्शन देना, हत्या करना है। इस गैंग का नेटवर्क पटना के पूर्वी से पश्चिमी इलाके तक फैला है। गैंग के अधिकतर बदमाश युवा हैं, जिनकी उम्र महज 20 से 25 साल के बीच हैं। अब तक पटना के अलग-अलग इलाकों से गैंग के 20 से अधिक बदमाश पकड़े गए हैं। हाल में शहर के पूर्वी इलाके के धनरूआ से 2 महीने में 17-18 बदमाश पकड़े गए हैं। उन्होंने पुलिस की पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। यह गैंग साल 2016-17 से एक्टिव है।

1000 से 5000 रुपए तक एंट्री फीसः पूर्वी SP परिचय कुमार ने बताया कि अवैध हथियार के साथ धनरूआ इलाके से 17 से 18 बदमाश पकड़े गए थे। पूछताछ के दौरान पता चला कि सभी "महाकाल गैंग" से जुड़े हैं। जो गैंग संगठित गिरोह की तरह ऑपरेट होता है और पिछले 3 साल से इलाके में एक्टिव है। बदमाश गैंग का मेंबर बनाने के लिए मेंबरशिप चलाते हैं। इसके लिए 1000 से 5000 रुपए तक एंट्री फीस रखी गई थी। जो भी इस गैंग का मेंबर बनता था, उन लोगों की पूरी सुरक्षा का ख्याल यह गैंग रखता था। एक तरीके से अपने मेंबर को पूरे पटना में कहीं भी प्रोटेक्शन देने का जिम्मा इन बदमाशों ने लिया था। अगर इनके गैंग से जुड़े किसी भी मेंबर को इनकी जरूरत होती थी तो एक कॉल में 100-200 लड़के जुट जाते थे। हालांकि पूर्वी SP परिचय कुमार ने दावा किया है कि पूर्वी इलाके में गैंग की कमर पुलिस ने तोड़ दी है। अधिकतर बदमाश पकड़े गए हैं। गैंग के सरगना नीतीश जेल में हैं। सिर्फ बुलेट फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

सोशल मीडिया पर एक्टिवः महाकाल गैंग के बदमाश सोशल साइट्स पर भी एक्टिव हैं। एक पूरी चेन बनी हुई है। जो शहर के अलग अलग हिस्सों से जुड़ी है। फैंसी नाम से ग्रुप, पेज और व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। जिस पर स्टंट, दबंगई की फोटो और वीडियो डालते रहते हैं। इनके पास जो भी गाड़ियां हैं। सब पर महाकाल लिखा है।

जमीन कब्जा करने और मारपीट के लिए लेते थे रुपएः गैंग का मुख्य काम जमीन कब्जा के लिए भीड़ जुटाना, दबंगई दिखाना और मारपीट करना है। गैंग के सदस्य विवादित जमीनों के मालिक और शहर के कुछ बिल्डर्स के संपर्क थे। जरूरत के मुताबिक जब भी किसी विवादित जमीन पर जबरन कब्जा करने की बारी आती भाड़े पर इस गैंग से लड़के हायर कर लेते थे। इसके लिए गैंग लड़कों के ऊपर होने वाले खर्च के लिए मोटी रकम लाख दो लाख रुपए की डिमांड करता था और गैंग को काम के एवज में रुपए मिलते भी थे। जो रुपए मिलते थे, वो गैंग के सदस्य काम होने पर आपस में बांट लेते थे।

पूर्वी इलाके के बदमाशों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी

पूर्वी इलाके से जो 18 महाकाल गैंग के सदस्य पकड़े गए हैं। उनकी संपत्ति जब्त करने की तैयारी पुलिस की ओर से की जा रही है। क्योंकि इन बदमाशों ने रंगदारी, जमीन कब्जा कराने के नाम पर अपराध के जरिए आय से कई गुणा अधिक की संपत्ति अर्जित की है। गैंग की नींव बिहटा बसौढा के अमित सिंह (2016-17) में रखी थी। घटना को अंजाम देने के बाद महाकाल सोशल साइट्स पर लिखता था। इसने बिहटा, नौबतपुर इलाके में अपनी धाक जमाने और बाप बेटा गैंग को दबाने के लिए महाकाल गैंग बनाया था। इस गैंग के जरिए हथियार सप्लाई, शूटर्स तैयार करना, बालू से लेवी वसूलना था। सबसे पहले इसने इलाके में पैठ जमाने के लिए पहली हत्या बिहटा के व्यवसायी संघ के अध्यक्ष और उदय चित्र मंदिर सिनेमाहॉल के मालिक निर्भय सिंह की गोली मारकर की। बाद में अमित सिंह की हत्या देवघर कोर्ट में पेशी के दौरान गोली मारकर कर दी गई।

फुलवारी शरीफ में व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत, परिजन ने पत्नी से विवाद का आरोप लगाया

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के ईसापुर मोहल्ले में रविवार को एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय आनंद यादव के रूप में हुई है, जो ईसापुर मोहल्ले के राय चौक, महावीर स्थान के पास रहते थे। थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि शव पर बाहरी चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं, लेकिन नाक से खून निकलता प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी के अनुसार, आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ में पता चला है कि आनंद यादव का अपनी पत्नी पूनम देवी से कई महीनों से विवाद चल रहा था। बताया गया कि दोनों पति-पत्नी अलग-अलग कमरों में रहते थे। आनंद यादव एक संपन्न परिवार से थे और उनके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र 15 और 12 वर्ष है। परिजन ने पुलिस को बताया कि आनंद यादव रात में खाना खाकर सोए थे और सुबह जब उनका कमरा खोला गया तो वे बिस्तर पर मृत पाए गए।

पटना में अनंत सिंह का मंच टूटा, निचे गिरे बाहुबली

एजेंसी, पटना

- जनसंपर्क अभियान में समर्थकों के बीच दे रहे थे भाषण, वीडियो आया सामने

मोकामा विधानसभा चुनाव में बाहुबली नेता अनंत सिंह का मंच भाषण के दौरान टूट गया। यह घटना शनिवार को उनके जनसंपर्क अभियान के दौरान हुई, जिसमें अनंत सिंह बाल-बाल बच गए। मंच टूटने का वीडियो सामने आया है। घटना मोकामा के पूर्वी इलाके के रामपुर-डुमरा गांव में हुई, जहां अनंत सिंह नौरंगा जलालपुर और मालपुर में भी जनसंपर्क कर रहे थे। समर्थकों ने उनके लिए एक छोटा मंच बनाया था। जब पूर्व विधायक मंच पर चढ़े और उनके एक समर्थक भाषण दे रहे थे, तभी 'अनंत सिंह जिंदाबाद' के नारों के बीच मंच अचानक टूट गया और वह नीचे गिर गए।

साल 2019 में भी टूटा था मंचः मंच टूटने के बाद समर्थकों में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। यह पहली बार नहीं है जब अनंत सिंह के साथ ऐसी घटना हुई हो। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी नदावां गांव में उनका मंच टूट गया था। उस समय अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने कांग्रेस के टिकट पर जदयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

जज की पत्नी ने लगाया पड़ोसी पर बदतमीजी का आरोप, पटना में 2 दिव्यांगों पर केस दर्ज

एजेंसी, पटना

- फ्लैट में जाकर शिकायत करने पर बवाल, दोनों पक्ष ने दिया आवेदन

पटना के कोतवाली इलाके से सटे एक अपार्टमेंट में जज की फैमिली और फ्लैट के रेजिडेंस आपस में उलझ गए। जिसके बाद मामला कोतवाली थाने तक पहुंच गया। देर रात जज ने थानेदार से शिकायत की। आवेदन के मुताबिक जज की फैमिली का आरोप है कि अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 203 में रहने वाली महिला और उनके नौकर ने बदतमीजी की है। 24 तारीख की देर रात नौकर बिना अनुमति फ्लैट के अंदर घूस आया और कहने लगा कि आप लोगों को फ्लैट में रहने नहीं आता है।

मिसबिहेव करने लगा। इससे पहले इसकी मालकिन भी बदतमीजी कर चुकी है। इन लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। मामला हाई प्रोफाइल होने के चलते कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया है।

शनिवार के दिन जमानत लेने आए थानेः शनिवार की शाम जिन लोगों पर जज की फैमिली ने आरोप लगाया था, वो कोतवाली थाने पर जमानत लेने आए थे। नौकर और मालकिन दोनों दिव्यांग थे। जमानतीय धारा में केस रजिस्टर्ड था, इसलिए दोनों को थाने से ही जमानत पुलिस ने दे दी।

महिला ने भी की शिकायतः जिन लोगों पर जज की फैमिली ने आरोप गया था, उन लोगों ने भी कोतवाली थाने में जज और उनकी पत्नी के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायत की है।

उनके आवेदन के मुताबिक अक्सर जज साहब और उनकी पत्नी मिसबिहेव करते हैं। जिसकी पुलिस फिलहाल जांच पड़ताल कर रही है। दोनों का फ्लैट एक दूसरे के ऊपर नीचे है। जज साहब के फ्लैट से खट खट की आवाज आ रही थी। इसी को लेकर नीचे के फ्लैट वाले ने नौकर को मना करने के लिए भेजा था।

चुनाव आयोग की कार्रवाई,1 दिन में 1.40 करोड़ जब्त, आचार संहिता के बाद भी अवैध शराब–कैश का खेल जारी

एजेंसी, पटना

- अब तक 85.82 करोड़ के अवैध कैश, शराब–ड्रग्स मिले

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आचार संहिता लागू होने बाद भी तमाम सख्ती बावजूद अवैध शराब और अवैध पैसे का बोलबाला जारी है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए लोगों द्वारा लगातार कोशिश की जारी है पर चुनाव आयोग इसे रोकने के लिए सख्ती बरत रही है। 2025 चुनाव की सरगर्मी के बीच आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पूरे राज्य में अवैध धन, शराब, नशीले पदार्थ, कीमती धातु और मुफ्त बांटने वाली वस्तुओं पर निगरानी तेज कर दी गई है।

चुनाव आयोग का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी तरह के लालच, प्रलोभन या दबाव के जरिए मतदाता को प्रभावित करने की कोशिश नहीं होने दी जाएगी। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार सघन छापेमारी और चेकिंग अभियान चला रही हैं। नकद राशि-768.5 लाख, शराब- 3282 लाख, नशीले पदार्थ- 2005 लाख, कीमती धातु — 554 लाख, फ्रीबीज/अन्य वस्तुएं- 1972 लाख है। यह आंकड़ा बताता है कि वोटरों को प्रभावित करने के लिए अवैध तैयारी बड़े स्तर पर चल रही थी, जिस पर आयोग अब कड़ी कार्रवाई कर रहा है।

कौन-कौन कर रहा है कार्रवाई?: सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि कई विभाग एक साथ मिलकर निगरानी में लगे हैं। जैसे जिला प्रशासन, पुलिस और स्पेशल ब्रांच, आबकारी विभाग (शराब की निगरानी के लिए), आयकर विभाग (अवैध नकद के लिए), नारकोटिक्स ब्यूरो (ड्रग्स और नशीले पदार्थों के लिए), सीमा शुल्क विभाग, फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टैटिक सर्विलांस टीमें। सब मिलकर लगातार चेकपोस्ट, रूट चेकिंग और छापेमारी अभियान चला रहे हैं।

चुनाव सुरक्षा और कानून-व्यवस्थाः चुनाव से जुड़ी विधि-व्यवस्था मजबूत रखने के लिए आयोग द्वारा अब तक की कुल जब्ती में 3,42,870 बंध पत्र (बीएनएस अधिनियम के तहत तामिला), NSA, PITNDPS एवं अन्य कानूनों में कुल गिरफ्तारियां-886, 17,813 गैर-जमानती वारंटों का निपटारा, कुल चेक पोस्ट सक्रिय-1,040, अवैध हथियारों की जब्ती-523। चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि चुनाव के वक्त सबसे बड़ी चुनौती होती है मतदाता को निष्पक्ष माहौल देना। पैसे, शराब, उपहार, या धमकी के जरिए वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश लोकतंत्र के खिलाफ है।

दीघा और कृष्णा घाट की तरफ अच्छे और बड़े घाट

एजेंसी, पटना

छठ महापर्व के लिए गंगा घाट संवार दिए गए हैं। दीघा के शिवा घाट, पाटीपुल घाट, मीनार घाट और बिंद टोली घाट इस बार भी व्रतियों की पहली पसंद रहेंगे। सड़क से सटे और आपस में जुड़े इन घाटों तक पहुंचना सबसे आसान है। जेपी सेतु के पश्चिम शिवा घाट, पाटीपुल घाट, मीनार घाट और बिंदटोली घाट, जबकि पूरब में जेपी सेतु घाट, 93 नंबर घाट, 88 नंबर घाट और 83 नंबर घाट बेहतर हैं।

इन घाटों पर दो लाख से अधिक व्रती व्रत कर सकते हैं। इस बीच, कलेक्ट्रेट घाट और महेंदू घाट पर आसानी से पहुंचने के लिए जिला प्रशासन ने शनिवार को विशेष एडवाइजरी जारी की। वहां जाने के लिए रास्ते की चौड़ाई सीमित है। अंटा घाट और कलेक्ट्रेट के रास्ते से महेंदू होते हुए इन घाटों पर पहुंचने की व्यवस्था है। इन दो घाटों पर जाने का रास्ता कम चौड़ा होने कारण सुरक्षा के दृष्टिकोण से केवल स्थानीय लोगों को ही उपयोग करने की अनुमति है। गांधी मैदान से कलेक्ट्रेट और महेंदू घाट तक लोगों को पैदल ही जाना होगा। पश्चिम में दीघा और पूरब में कृष्णा घाट की तरफ अच्छे और बड़े घाट हैं। उनका उपयोग करने की सलाह दी गई है।

अशोक गहलोत बोले- तेजस्वी को सोच समझकर सीएम फेस बनाया, भाजपा पर बोले हमला

एजेंसी, पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस के सीनियर लीडर्स कल देर रात पटना पहुंचे थे। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख अजय माकन और बिहार चुनाव के सीनियर आब्जर्वर अशोक गहलोत पटना पहुंचते ही विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के आवास स्थित वॉर रूम में जिला आब्जर्वरों के साथ बैठक की। कांग्रेस आलाकमान ने टिकट वितरण से उपजे असंतोष और अंदरूनी खींचतान को देखते हुए डैमेज कंट्रोल की पहल की है।

बहुत सोच समझकर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कियाः राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमने तेजस्वी यादव को बहुत सोच समझकर मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। वह यंग हैं और काम करेंगे। कहीं ना कहीं जो घोषणाएं हो रही है वह घोषणा हम लोग पूरे वादे के साथ कर रहे हैं और इन सभी घोषणाओं का वादा भी पूरा करेंगे। कल रात कांग्रेस के बड़े नेताओं की हाई लेवल मीटिंग के बारे में उन्होंने कहा कि वह हमारा अंदरूनी मामला था। हमने बड़ी मीटिंग की है सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमने आब्जर्वर के साथ-साथ कांग्रेस के कैंडिडेट से भी बातचीत की उनका रिपोर्ट लिया, सभी की स्थिति बहुत अच्छी है और हम लोग जीतेंगे। उन्होंने कांग्रेस के नाराज नेताओं से अपील किया है कि वह हमारे उम्मीदवार के पक्ष में पूरी तरह से कम करें। चुनाव के बाद हम उनकी नाराजगी को जरूर देखेंगे।

भाजपा के पास पैसा है, इलेक्ट्रॉल बैंड का पैसा हैः उन्होंने बड़ा खुलासा किया कि भाजपा के पास पैसा है, इलेक्ट्रोल बैंड का पैसा है। वह पैसा हमारे खिलाफ यूज कर रहे हैं और वोटरों को पैसा देना चाहते हैं। हमारे खिलाफ सभी तरह की एजेंसियों को का प्रयोग किया जा रहा है। हम बिहार के वोटरों से अपील कर रहे हैं कि यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। वह महागठबंधन को वोट दे। बिहार में बदलाव करें और निश्चित तौर पर यह होकर रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के बड़े नेताओं का दौरा छठ के तुरंत बाद शुरू हो जाएगा। पूरे बिहार में राहुल गांधी घूमेंगे। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि भाजपा से एक बड़ा सवाल है कि आपके मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन है? उन्होंने कहा कि हमने तो अपने मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया भाजपा बताएं कि उनके मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन है। सीधे तौर पर जब अमित शाह से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हम चुनाव के बाद देखेंगे इसका मतलब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद के चेहरे नहीं है। अपने ऊपर लगे टिकट बंटवारे के आरोप पर उन्होंने कहा कि नाराजगी होती है। उनकी नाराजगी जायज है। हम उनकी नाराजगी को मानते हैं, लेकिन सभी लोगों को टिकट नहीं दे सकते। जो सीट होती है उस सीट में टिकट दिया जा सकता है। हम अपने कार्यकर्ताओं से सब कुछ समझ लेंगे उनकी हर नाराजगी को दूर कर देंगे। उन्होंने कहा कि आज बिहार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हम अच्छी सरकार दे, नौजवानों की सरकार दे। महागठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है। हमारा एक ही लक्ष्य की हम किसी भी परिस्थिति में इस चुनाव को जीते। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के अब तक बिहार चुनाव में दौरा नहीं किए जाने पर उन्होंने कहा घबराइए नहीं बहुत जल्द राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बिहार के लोगों के बीच होंगे।

तीनों नेताओं ने जिला आब्जर्वर से रिपोर्ट लीः बैठक में उम्मीदवारों को तीन कैटेगरी- ए, बी और सी में बांटा गया। इसके आधार पर विजय रणनीति तैयार की जाएगी। वेणुगोपाल और गहलोत ने जिला आब्जर्वर से गठबंधन सहयोग और विरोध की स्थिति की रिपोर्ट भी ली। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली से आए वरिष्ठ नेता जल्द ही बागी नेताओं और नाराज उम्मीदवारों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें भी सुनेंगे। आलाकमान किसी भी कीमत पर चुनाव से पहले पार्टी में दरार नहीं पड़ने देना चाहता। वहीं, तीनों नेता आज राजद, वीआईपी और वाम दलों के नेताओं से समन्वय बैठक कर सकते हैं।

नेताओं के बीच बढ़ती दूरियों से आलाकमान चिंतितः पटना पहुंचे नेताओं ने आब्जर्वरों को निर्देश दिया कि राहुल गांधी के दौरे से पहले हर कीमत पर असंतोष खत्म किया जाए। जो नेता नहीं मानें, उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश नेतृत्व और बागी नेताओं के बीच बढ़ती दूरियों ने आलाकमान को चिंतित कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

आलू बीज खरीदने जा रहे युवक से मारपीट, 11,500 रुपये और मोबाइल लूटा

बीएनएम @ तुरकौलिया : आलू का बीज खरीदने जा रहे सोहिल छपरा के एक युवक से मारपीट कर बदमाशों ने 11,500 रुपये और मोबाइल छीन लिया। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सोहिल छपरा निवासी रविन्द्र कुमार सहनी के रूप में हुई है। पीड़ित ने थाना में आवेदन देकर कोटवा सोबैया के साहिल कुमार यादव और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि वह पैदल ही आलू का बीज खरीदने आमवा जा रहा था। रास्ते में एक फुलवारी के पास आरोपी साहिल और उसका एक साथी बाइक खड़ा किए थे। वहां पहुंचते ही दोनों ने उसे घेर लिया और बिना कारण गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर बेल्ट, लोहे की चेन और डंडे से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। पिटाई के दौरान उसका माथा फट गया और शरीर के कई हिस्सों से खून बहने लगा। इसी दौरान साहिल ने पिस्टल उसकी कनपटी पर सटाकर उसकी जेब से 11,500 नगद और मोबाइल फोन निकाल लिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो दोनों आरोपी फरार हो गए। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

जयसिंहपुर माधोपुर में छापेमारी, 25 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। पुलिस ने जयसिंहपुर माधोपुर गांव में छापेमारी कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान 25 लीटर देशी शराब बरामद की गई। गिरफ्तार तस्कर की पहचान उसी गांव के हरिवंश पासवान के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में हरिवंश पासवान ने खुलासा किया कि उसे शराब बेचने के लिए खिरवा बाजार निवासी खूबलाल राम ने दिया था। पुलिस ने खूबलाल राम के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार के नेतृत्व में की गई। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि हरिवंश पासवान अपने घर के पीछे बगीचे में शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर दल-बल के साथ छापेमारी की गई। मौके पर पहुंचते ही एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। बाद में बगीचे की तलाशी में बांसवारी से उजले रंग के बोरे में रखी 25 लीटर देशी शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि मामले में दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

दो पक्षों के मारपीट में छह घायल

बीएनएम @ जमुई/झाझाः झाझा थानाक्षेत्र के गिद्धको गांव में शनिवार की रात्रि में छठघाट पर छठपूजा की तैयारी को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई जिसमें दोनो पक्षों से कुल मिलाकर कुल छह लोग घायल हो गए। घायल में एक पक्ष से अजय मंडल उसका बेटारामप्रवेश कुमार, राजू कुमार तथा दूसरे पक्ष से दिलीप वर्मा उसका बेटा सूरज वर्मा, राज वर्मा शामिल हैं। सभी घायल इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा पहुंचा जहां सभी घायलों का इलाज हुआ। घायल अजय ने बताया कि मेरा बेटा दोस्तों के साथ छठघाट पर लाइट लगा रहा था तभी सूरज, राज वहां पर अन्य दोस्तों के साथ आकर फिजूल की बात कहने लगा जिसको मना किया तो मारपीट करने और उनदोनो के पिता भी आकर मारपीट करने लगा जब मैं बचाने के लिए गया तो मेरे ऊपर भी लाठी से हमला कर दिया। दूसरे पक्ष से घायल दिलीप ने आरोप लगाया कि पहले पक्ष से लोग घर पर आकर मेरे बेटे को गाली गलौज किया विरोध करने पर उक्त लोग हमलोगों पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। दोनो पक्षों ने घटना को लेकर थाना में आवेदन दिया।

मतदान लोकतंत्र का ऑक्सीजन- प्रो. गौरी शंकर

बीएनएम @ जमुई। केकेएम कॉलेज के प्राध्यापकों ने मतदान के महत्व पर जोर देते हुए इसे 'लोकतंत्र का ऑक्सीजन' बताया है। स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.(प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि लोकतंत्र का भाग्य किसी नेता के हाथ में नहीं, बल्कि हर मतदाता की उंगली पर लगी स्याही की लकीर में छिपा है। उन्होंने वोट को सिर्फ एक अंक नहीं, बल्कि 'लोकतंत्र का ऑक्सीजन' बताया, जिसके बिना सिस्टम मृतप्राय हो जाता है। उन्होंने शत-प्रतिशत मतदान को राष्ट्रीय चेतना का प्रमाण बताया और कहा कि अधूरा मतदान अधूरा लोकतंत्र का परिचायक है।इतिहास के असिस्टेंट प्रोफेसर संजीव कुमार सिंह ने मतदान को लोकतंत्र का 'सबसे बड़ा निवेश' बताते हुए कहा कि आपका एक वोट लोकतंत्र की धड़कन है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निरंजन कुमार दुबे ने कहा कि मतदान वह आवाज है, जो बिना शोर किए सत्ता को बदल देती है, और यह सिर्फ अधिकार नहीं, कर्तव्य भी है। राजनीतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र कुमार गोयल ने इसे सम्मान और 'लोकतंत्र की जान' बताते हुए कहा, "अंगुली पर स्याही की लकीर, बदल देती है सत्ता की तकदीर।" सभी वक्ताओं ने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अवश्य मतदान करें।

छठ महापर्व पर भी नहीं मिला शिक्षको को वेतन, मायूसी

बीएनएम @ बगहाः छठ महापर्व पर जहाँ देश में हर्ष एवं खुशी का माहौल है वहीं राज्य के अधिकांश शिक्षक परिवार में मायूसी है। कारण कि आदेश के बावजूद भी दशहरा के बाद अब छठ महापर्व पर भी जिले के विभिन्न कोटि के 70-75 फीसदी शिक्षकों का वेतन भुगतान, नहीं हुआ जिसके कारण शिक्षक परिवार में मायूसी है। शिक्षक सुनिल कुमार ने कहा कि अखबार में छपी खबर के अनुसार जिले के 23 हजार स्थायी, BPSC, प्रधान शिक्षक, HM, विशिष्ट, नियोजित सभी कोटि के शिक्षकों के वेतन भुगतान करने हेतु 24 अक्टूबर को ही समय निर्धारित था परन्तु दशहरा पर्व के भांति छठ महापर्व पर भी हमें वेतन नहीं मिली जिससे बच्चों सहित शिक्षक समुदाय में निराशा, मायूसी है। शिक्षक सुनिल ने कहा कि पर्व पर भी शिक्षकों को वेतन नहीं मिलना अत्यंत निराशाजन, खेदजनक व दुर्भाग्पूर्ण है। वेतन भुगतान प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है।

फल सहित अन्य सामग्री की हुई जमकर खरीदारी

फल दुकान पर खरीदारी करने में जुटे ग्राहक

बीएनएम @ जमुई/झाझा : रविवार को लोकआस्था का महापर्व छठपूजा को लेकर झाझा मुख्य बाजार में फल, पूजा सामग्री की खरीदारी करने वालों की काफी भीड़ देखने को मिला है। सुबह से ही बाजार में रौनक देखने को मिल रहा था। बाजार में सड़क किनारे कई सजे फल दुकान में ग्राहकों ने फल की खरीदारी करने में कोई कंजूसी नही किया। इस बार फल के दामों में किसी भी प्रकार की कोई उछाल नही रहने पर ग्राहकों ने भी राहत की सांस लिया। मुख्य बाजार में फल दुकान के अलावे सुप डलिया की भी बिक्री जोरो पर रहा। आलम यह था कि पहले से सुप, डलिया बनाने वाले लोग बिक्री कम होने से मायूस थे तो वही रविवार को बिक्री में तेजी आने से उनलोगों के चेहरे पर चिंता की लकीर दूर होते दिखाई दिए। तो वही छठपूजा में सुप डलिया पर चढ़ने वाले पूजा सामग्री की बिक्री खूब हुई। इसके अलावे खरना पूजन को लेकर दूध दुकानो पर भी ग्राहकों ने दूध की खरीदारी किया। दूध लेने वाले ग्राहकों ने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्र में पहले दूध का उत्पाद अधिक होता था लेकिन अब दूध की किल्लत ग्रामीण क्षेत्र में होने से पैकेट की दूध पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

लोक आस्था का महापर्व छठः सोमेश्वरनाथ महादेव नगरी में श्रद्धा और सुगम व्यवस्था का संगम

बीएनएम @ अरेराज

लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर पूर्वी चंपारण के अरेराज स्थित प्रसिद्ध सोमेश्वरनाथ महादेव नगरी में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित इस चार दिवसीय कठिन व्रत के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु और भक्त बाबा सोमेश्वरनाथ का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने के लिए एकत्रित हुए। इस विशाल जनसमूह के बावजूद, स्थानीय प्रशासन के कुशल प्रबंधन और सक्रिय पुलिसिंग के कारण संपूर्ण क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य और सुगम बनी रही, जिसने भक्तों को बड़ी राहत प्रदान की।

प्रशासन का कुशल ट्रैफिक प्लान हुआ सफल-छठ पर्व की महत्ता को ध्यान में रखते हुए अरेराज प्रशासन ने एक विशेष और प्रभावी ट्रैफिक प्लान लागू किया था, जिसका क्रियान्वयन बेहद सफल रहा। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्थानीय पुलिस बल ने सराहनीय कार्य किया। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी और अपर थानाध्यक्ष रमेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में पीटीसी लालबाबू कुमार, पुलिस मित्र चंदेश्वर कुमार, पुलिस मित्र अभिषेक कुमार सहित संयुक्त एसएसबी बल ने मोर्चा संभाला। पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने पूरे क्षेत्र में लगातार पैदल मार्च किया और जगह-जगह मुस्तैदी से डटे रहकर भीड़ प्रबंधन तथा यातायात नियंत्रण का कार्य किया। उनकी सक्रियता का परिणाम यह रहा कि भारी भीड़ के बावजूद कहीं भी जाम या अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।

श्रद्धालुओं ने व्यवस्था पर जताई प्रसन्नता-प्रशासन की इस बेहतर व्यवस्था पर श्रद्धालुओं ने भी गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। उनका कहना था कि आमतौर पर इतनी बड़ी संख्या में भक्तों के आने पर जाम और अव्यवस्था का माहौल बन जाता है, लेकिन इस बार पुलिस की सक्रियता और कुशल समन्वय के कारण उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अरेराज प्रशासन का यह सफल आयोजन एक अनुकरणीय उदाहरण है, जिसने अपने बेहतर प्रबंधन और सक्रिय पुलिसिंग से छठ के पावन अवसर को भक्तों के लिए न केवल सुरक्षित बल्कि और भी मंगलमय बना दिया। यह महापर्व, जो शुद्धता, आत्म-अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देता है, इस वर्ष सुगम व्यवस्था के लिए भी याद किया जाएगा।

सामाजिक समरसता की मिसालः मलाही थाना ने 80 छठ व्रती बहनों को भेंट की पूजन सामग्री

बीएनएम @ मलाही/अरेराज

लोक आस्था के महापर्व छठ की पावन बेला पर सामाजिक समरसता और मातृशक्ति के सम्मान की भावना को चरितार्थ करते हुए, मलाही थाना परिवार ने एक सराहनीय पहल की है। थानाध्यक्ष करण सिंह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र की कुल 80 श्रमजीवी एवं आस्थावान छठ व्रती बहनों के बीच छठ पूजा सामग्रियों का वितरण किया गया। इस 'छोटा सा प्रयास' के तहत, थाना परिवार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि इन बहनों की श्रद्धा और आस्था का महापर्व निर्विघ्न रूप से पूर्ण हो सके। पूजन सामग्री की भेंट पाकर व्रती बहनों के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी, जिन्होंने पुलिस प्रशासन के इस मानवीय और संवेदनशील कदम की सराहना की। थानाध्यक्ष करण सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह पर्व समाज में सुख, समृद्धि और शांति का संदेश लेकर आता है। उन्होंने छठी मैया से प्रार्थना की कि प्रत्येक घर में सुख-समृद्धि और शांति का संचार हो तथा सभी का जीवन मंगलमय हो। पुलिस द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है, बल्कि पुलिस और जनता के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। मलाही थाना परिवार की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई हैं।

बगहा नगर : लहेरीया फ्लाईओवर अंधेरे में डूबा, असमाजिक तत्वों के सक्रिय होने की आशंका

» करोड़ों की लागत से बना हुआ है पूल

बीएनएम @ बगहा

नगर क्षेत्र में करोड़ों की लागत से बना लहेरीया फ्लाईओवर इन दिनों अंधेरे में डूबा हुआ है। पुल पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगने से जहां राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने की आशंका भी बढ़ गई है।यह पुल बगहा नगर के मध्य भाग में स्थित है और यहां से रोजाना हजारों वाहन एवं पैदल यात्री गुजरते हैं |स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर के मुख्य सड़कों पर रंग-बिरंगी एलईडी लाइटें तो लगाई गई हैं, लेकिन फ्लाईओवर पर प्रशासन की उदासीनता साफ झलकती है। पुल का शिलान्यास केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा किया गया था, जबकि उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग एक वर्ष पूर्व किया था। इसके बावजूद आज तक स्ट्रीट लाइट लगाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।रेलवे स्टेशन नजदीक होने के कारण यहां देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे किसी बड़ी आपराधिक घटना की आशंका से लोग चिंतित हैं। स्थानीय व्यापारी बताते हैं कि फ्लाईओवर बनने के बाद दुकानों के सामने ग्राहकों के लिए पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे व्यवसाय पर नकारात्मक असर पड़ा है।

फ्लाईओवर पर लाइट की व्यवस्था नहीं- छठ महापर्व निकट आने के बावजूद प्रशासन की ओर से फ्लाईओवर पर रोशनी व्यवस्था या सुरक्षा के लिए कोई पहल नहीं की गई है। लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर स्ट्रीट लाइटें लगाने, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और पार्किंग की उचित सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अवैध हथियार के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा

गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिसकर्मी

बगहा पुलिस जिले की चौतरवा और भैरोगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चौतरवा पुलिस ने बाईक चोरी मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दुसरे साथी को रविवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर को सुबह पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अहिरौलिया निवासी दिव्याशू राव अपने सहयोगी के साथ अवैध हथियार लेकर बरिअरवा गांव में घूम रहा है। सूचना मिलते ही चौतरवा थाना की टीम ने थानाध्यक्ष राहुल सिंह के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस ने मौके से दिव्याशू राव (उम्र 21 वर्ष), पिता भुनेश्वर राव को गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसका साथी सुजीत राव (उम्र 22 वर्ष), पिता यशवंत राव, निवासी बाबू परसौनी को रविवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त दिव्याशू राव पर बथवरिया थाना कांड संख्या दर्ज है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी एक नाली और एक कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। वही दूसरी तरफ भैरोगंज थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के कदमहवा टोला बांसगांव मंझरिया गांव से एक देसी कट्टा , दो जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केवट ने बताया कि गुप्त सुचना मिली थी कि उक्त गांव सुखदेव राम उम्र करीब 25 वर्ष पिता जीतेन्द्र राम अपने घर में अवैध हथियार रखा है। उन्होंने बताया कि गुप्त सुचना के आलोक में छापेमारी अभियान चलाई गई, जहां तलाशी के दौरान घर के पास जमीन गढा हुआ एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक फायर खोखा बरामद किया गया। चौतरवा पुलिस की कार्रवाई में थानाध्यक्ष राहुल सिंह, सब - इन्स्पेक्टर काफिल अंजुम, मुकेश कुमार सिंह, भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केवट के साथ सब - इन्स्पेक्टर मोहित कुमार, बलराम कुमार, रौशन कुमार गुप्ता सहित पुलिस बल शामिल रहे। चौतरवा और भैरोगंज के थानाध्यक्षों ने संयुक्त रुप से बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए रविवार को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया।

भव्य पंडाल में विराजेगे भगवान भास्कर

भगवान भास्कर की प्रतिमा को अंतिम रूप देते कलाकार

बीएनएम @ जमुई/झाझा

गणेशी मंदिर छठघाट पर इस बार भी उलाय नदी में भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर भव्य पंडाल बनाया गया जिसमें पहले अर्घ्य के दिन स्थापित की जाएगी। वही प्रतिमा निर्माण कर रहे मूर्तिकार भी भगवान सूर्य, छठी मैया की प्रतिमा को अंतिम रूप दे चुके हैं। इस बार भले ही छठघाट पर डायवर्सन के कारण घाट छोटा हो चुका है और नदी में पानी की कमी देखी जा रही है लेकिन पूजा समिति श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नही होने देने में अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करने में जुटी हुई है। पूजा कमेटी के सीनियर, जूनियर सदस्यों के बीच छठपूजा शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न करने के लिए कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं। इसके अलावे श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए छठघाट पर चारों तरफ लाइट, मार्ग में लाइट सहित सुरक्षा को लेकर चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया।

छठ पर्व पर मंच ने दिया हरियाली का संदेश

» बालाडीह गांव में पौधारोपण व शिक्षण सामग्री का वितरण

बीएनएम @ जमुई

छठ पर्व केवल आराधना नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव का उत्सव है। इसी संदेश को लेकर मंच की टीम ने अपनी 512वीं साइकिल यात्रा श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम से निकाली। यात्रा कल्याणपुर, सोनपे होते हुए बालाडीह पहुंची, जहां सदस्यों ने पौधारोपण कर लोगों को हरियाली और स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर सदस्य टिंकू पासवान ने कहा कि छठ पूजा प्रकृति, जल और सूर्य की उपासना से जुड़ी है। ऐसे में पौधारोपण कर हम न सिर्फ श्रद्धा व्यक्त करते हैं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाते हैं।यात्रा के दौरान मदन मोहन के पुत्र हर्ष राज के जन्मदिन पर लगभग चार दर्जन बच्चों को शिक्षण सामग्री व पौधे भेंट किए गए। सदस्यों ने छठ व्रतियों को भी पौधे वितरित किए।शैलेश भारद्वाज और मदन कुमार ने कहा कि जन्मदिन पर बेफिजूल खर्च से बचते हुए अगर हम पौधा लगाकर धरती को हरियाली का उपहार दें, तो यह सच्ची खुशी होगी। हर व्यक्ति यदि अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संतुलन कायम रहेगा।मौके पर अंशिका मिश्रा, ॐ आनंद मिश्रा, गोलू कुमार, पंकज कुमार, अरुणेश मिश्रा, संकेत सिंह, शुभम कुमार, विवेक कुमार, सोनाक्षी कुमारी, अर्चना कुमारी, रिया कुमारी, राजीव कुमार, गौरी कुमारी, काजल कुमारी, उषा कुमारी सहित संत एमएस पब्लिक स्कूल के निदेशक मदन कुमार एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

छठव्रतियों के यहाँ पहुंचाई गई प्रसाद सामग्री

बीएनएम @ जमुई/सिमुलतला

सिमुलतला में छठ प्रसाद वितरण करते श्रद्धालु

लोक आस्था का महापर्व की तैयारियां जोरो पर है। इस वर्ष बैद्यनाथ इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज और हैदराबाद सेंट्रल स्कूल के सौजन्य से पांच सौ श्रद्धालुओं के बीच छठव्रत का प्रसाद सामग्री का वितरण किया। संस्थान द्वारा प्रसाद सामग्री का वितरण छठ व्रत करने वाले श्रद्धालुओं के घरों में जाकर किया। वितरण कार्य को खुद संस्थान अध्यक्ष डा. सतीश पाश्यावुला और निदेशक लालबहादुर यादव ने खुद किया। प्रसाद वितरण के दौरान डा. पाश्यावुला ने कहा यह त्यौहार आस्था और विश्वास का महापर्व है। यह त्यौहार प्रदेश में प्रवास करने वाले बिहारी भाइयों को अपनी सौंधी मिट्टी और वर्षों की परंपरा को याद कराकर खींच कर अपने गांव तक लाता है। उन्होंने जानकारी दिया संस्थान में कई कोर्स की शिक्षा दी जा रही है। संस्थान के हैदराबाद सेंट्रल स्कूल को आधुनिक किया जा रहा है। इस कड़ी में विद्यालय के बच्चों को स्मार्ट क्लास, टेबलेट की सुविधा दी जाएगी। बच्चों को केरला, तमिलनाडु, पंजाब, पश्चिम बंगाल के योग्य और कर्मठ शिक्षकों की टीम के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। विद्यालय में होस्टल की भी सुविधा होगी उपलब्ध। सीबीएससी बोर्ड पर आधारित होगा यह विद्यालय। यह सारी यह सभी परिवर्तन आने वाले वर्षों में दिखेगा। इस अवसर पर निदेशक लालबहादुर यादव, पूर्व मुखिया चमकीला देवी, बच्चू सिंहा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मोकामा में अनंत सिंह का मंच टूटा जनसभा में मचा हड़कंप

बीएनएम @ पटना/मोकामाः बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मोकामा से एक अनोखा वाकया सामने आया। जेडीयू प्रत्याशी और बाहुबली छवि वाले पूर्व विधायक अनंत सिंह की जनसभा के दौरान मंच अचानक टूट गया। गनीमत रही कि वे बाल-बाल बच गए और कोई गंभीर चोट नहीं आई।घटना मोकामा के रामपुर-डूमरा गांव में हुई, जहां अनंत सिंह अपने "तूफान संपर्क अभियान" के तहत चुनाव प्रचार कर रहे थे। समर्थकों ने स्वागत के लिए एक छोटा मंच तैयार किया था। जैसे ही अनंत सिंह मंच पर पहुंचे और भीड़ ने "अनंत सिंह जिंदाबाद" के नारे लगाए, मंच भरभरा कर टूट गया और वे नीचे गिर पड़े।मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें उठाया और सुरक्षित बाहर निकाला। कुछ ही मिनटों में अनंत सिंह ने खुद को संभाला, भीड़ को मुस्कुराकर हाथ हिलाया और अपनी गाड़ी में बैठकर अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि समर्थक पहले घबरा गए, लेकिन जब उन्होंने देखा कि अनंत सिंह पूरी तरह सुरक्षित हैं, तो नारेबाजी और तालियां गूंज उठीं। कुछ समर्थकों ने मजाक में कहा,नेता जी अटूट हैं, मंच नहीं!"गौरतलब है कि जेडीयू ने इस बार अनंत सिंह को मोकामा से उम्मीदवार बनाकर बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। वे पहले राजद के टिकट पर विधायक रह चुके हैं, लेकिन अब नीतीश कुमार की पार्टी में शामिल होकर एनडीए का हिस्सा बन गए हैं। उनके टिकट को लेकर राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा है, क्योंकि मोकामा सीट लंबे समय से राजनीतिक रूप से 'हाई प्रोफाइल' मानी जाती रही है।इस घटना ने चुनावी माहौल में हल्का-फुल्का हास्य भी जोड़ दिया, जबकि अनंत सिंह की छवि और भी मजबूती के साथ जनता के सामने आई।

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का बिहार प्लान तैयार, जल्द जारी होगा महागठबंधन का घोषणापत्र

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने अपने चुनावी प्रचार अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली है। पार्टी की रणनीतिक बैठक में यह तय किया गया कि प्रियंका गांधी 28 अक्टूबर से बिहार में प्रचार की शुरुआत करेंगी और दो बड़ी जनसभाओं को संबोधित करेंगी। बैठक में केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन और अविनाश पांडे मौजूद रहे, जिन्होंने प्रचार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने एनडीए पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा अब हार से डर गई है। उन्होंने कहा, "हमने अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम घोषित कर दिया है, लेकिन भाजपा आज तक यह तय नहीं कर सकी कि उसका चेहरा कौन होगा। उनके पास कोई एजेंडा नहीं है, जबकि बिहार में अव्यवस्था और भय का माहौल बना हुआ है।"कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी को जनता की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा, "भाजपा के पास न विजन है, न दिशा। हमने स्पष्टता के साथ प्रचार शुरू किया है। अब हमारा घोषणापत्र जारी होने वाला है, जिसमें रोजगार, शिक्षा, और सामाजिक सुरक्षा पर ठोस वादे होंगे।"इसी बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन का घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) तैयार है और अगले एक-दो दिनों में इसे जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "महागठबंधन का प्रचार अभियान संयुक्त रूप से चलेगा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बिहार के विभिन्न जिलों में सभाएं करेंगे।"तेजस्वी ने दावा किया कि यह चुनाव जनता बनाम जनविरोधी नीतियों का होगा और बिहार की जनता बदलाव का मन बना चुकी है।

जदयू ने 11 नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया, अनुशासन कायम रखने का लिया बड़ा कदम

बीएनएम @ पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जनता दल (यूनाइटेड) ने अपने संगठन में अनुशासन बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने 11 नेताओं को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। यह कार्रवाई उन नेताओं के खिलाफ की गई है जिन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।इस सूची में कई पूर्व मंत्री, विधायक और विधान पार्षद शामिल हैं। प्रमुख नाम इस प्रकार हैं:पूर्व मंत्री शैलेश कुमार,पूर्व विधान पार्षद संजय प्रसाद,पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह,पूर्व विधान पार्षद रणविजय सिंह,पूर्व विधायक सुदर्शन कुमार,अमर कुमार सिंह,महुआ से पूर्व उम्मीदवार आस्मां परवीन,लव कुमार,आशा सुमन,दिव्यांशु भारद्वाज,विवेक शुक्ला।सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा संगठन में एकता और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। कई निष्कासित नेता इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, जैसे शैलेश कुमार और श्याम बहादुर सिंह। यह कदम पार्टी में नए नेतृत्व और युवा नेताओं को अवसर देने का संकेत भी माना जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर समर्थन- इस बीच समस्तीपुर के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में NDA प्रत्याशी राजकुमार राय को स्थानीय लोगों ने लड्डू और सिक्कों से स्वागत कर जनसमर्थन का अनोखा अनुभव कराया। राजकुमार राय ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उनके काम के कारण उन्हें जनता का विश्वास और सम्मान मिला है।जदयू ने स्पष्ट किया है कि संगठन में अनुशासनहीनता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवारों के मैदान में आने से चुनाव और रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बन गया है।

बीजेपी सांसद को फोन पर 10 करोड़ की धमकी, बेटे की हत्या की चेतावनी

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच पश्चिमी चंपारण जिले के बेतिया से भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल को धमकी भरे फोन कॉल आने का मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने सांसद से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और चेतावनी दी कि यदि यह रकम नहीं दी गई, तो उनके इकलौते बेटे, जो डॉक्टर हैं, की हत्या कर दी जाएगी। घटना 23 अक्टूबर 2025 को हुई थी।सांसद ने शिकायत में बताया कि दोपहर 12:40 बजे और 12:44 बजे उनके मोबाइल पर दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आए। कॉल करने वालों का लहजा धमकी भरा था और उन्होंने साफ कहा, "पैसे नहीं दिए तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहिए।" सांसद ने दोनों कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपी, जिसे अब जांच का अहम हिस्सा बनाया गया है।इस मामले में नगर थाना पुलिस ने अज्ञात नंबर धारकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने धमकी भरे कॉल के सभी तकनीकी और डिजिटल सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं। कॉल डिटेल्स रिकॉर्ड (CDR) खंगाले जा रहे हैं ताकि मोबाइल नंबरों की लोकेशन और मालिक की पहचान की जा सके।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी की देखरेख में विशेष जांच टीम (SIT) गठित की गई है। यह टीम तकनीकी और मानवीय दोनों तरह के इनपुट से अपराधियों की तलाश कर रही है। वहीं, सांसद और उनके परिवार की सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।डॉ. संजय जायसवाल ने मीडिया से कहा, "मुझे कानून और पुलिस प्रशासन पर पूरा भरोसा है। मैंने तुरंत शिकायत दर्ज करवाई और सभी सबूत पुलिस को सौंप दिए हैं। मुझे उम्मीद है कि अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे और कानून अपना काम करेगा।"यह मामला चुनाव के समय सामने आने वाले हाई-प्रोफाइल धमकी मामलों में एक और सनसनीखेज घटना के रूप में उभरा है,

व्यय प्रेक्षक ने निगरानी दल का किया निरीक्षण

बीएनएम @ गया जीः व्यय प्रेक्षक गया अमन प्रीत (आई०आर०एस०) द्वारा गया जिला अंतर्गत अवस्थित वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र स्थित नवादा बॉर्डर एवं भिंडस मोड़ स्थाई जांच निगरानी दल (एसएसटी) का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में उक्त स्थल पर प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मी मौजूद थे। अधिकारियों को व्यय प्रेक्षक द्वारा नियमानुसार सभी वाहनों की सघन जांच का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में पंजी एवं वीडियोग्राफी की भी जांच की गई। स्थाई जांच निगरानी दल के निरीक्षण में प्रखंड विकास पदाधिकारी वजीरगंज, अंचल अधिकारी वजीरगंज एवं थानाध्यक्ष वजीरगंज उपस्थित थे।विदित हो कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गया जिले में व्यय प्रेक्षक की तैनाती की गई है, जो निरंतर विभिन्न क्षेत्र में घूम घूम कर स्थाई जांच निगरानी दल की जांच कर रहे हैं।

बिहार विधान सभा चुनाव : महागठबंधन के प्रेस कांफ्रेंस में तेजस्वी का एक और बड़ा चुनावी वादा

पंचायत प्रतिनिधियों को 50 लाख का बीमा और 5 लाख की मददः तेजस्वी यादव

बीएनएम @ पटना

तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक और बड़ा चुनावी वादा किया। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर राज्य के पंचायत प्रतिनिधियों को 50 लाख रुपये का बीमा कवर और पाँच लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि दी जाएगी। इस घोषणा के दौरान उनके साथ मुकेश सहनी भी मौजूद थे। तेजस्वी ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की जड़ हैं, लेकिन उन्हें हमेशा उपेक्षित रखा गया है। उन्होंने वादा किया कि नई सरकार बनते ही पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना किया जाएगा, ताकि वे सम्मानजनक तरीके से काम कर सकें।

बीजेपी पर सीधा हमला- प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने भाजपा और केंद्रीय नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "बिहार में जानबूझकर कारखाने नहीं लगने दिए गए। जो भी उद्योग-धंधे लग सकते थे, सब गुजरात ले जाए गए। बिहार को केवल झूठे वादे और ठेंगा मिला।" उन्होंने कहा कि जब वे 17 महीने उपमुख्यमंत्री रहे, तब रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुए। "अगर चाचा जी नहीं पलटे होते, तो आज बिहार की तस्वीर और बेहतर होती," तेजस्वी ने कहा।

राहुल-प्रियंका के साथ साझा प्रचार का ऐलान- तेजस्वी यादव ने बताया कि कांग्रेस के साथ उनका तालमेल मजबूत है। आने वाले दिनों में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ संयुक्त रैलियों का प्रचार अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा और जेडीयू को 20 साल दिए हैं, अब महागठबंधन केवल 20 महीने का मौका मांग रहा है ताकि बिहार में उद्योग, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में असली काम हो सके। तेजस्वी ने यह भी घोषणा की कि सोनार, नाई, लोहार, बढ़ई जैसे परंपरागत व्यवसायों से जुड़े लोगों को स्वरोजगार के लिए एकमुश्त पाँच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उनका कहना था कि "ये लोग बिहार की रीढ़ हैं, लेकिन इन्हें कभी सम्मान और अवसर नहीं मिला।"तेजस्वी की घोषणाओं से स्पष्ट है कि महागठबंधन इस बार पंचायत प्रतिनिधियों, पारंपरिक पेशों से जुड़े वर्गों और युवाओं को साधने की रणनीति पर काम कर रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के वादे चुनावी समीकरणों में नया मोड़ ला सकते हैं, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहाँ पंचायत प्रतिनिधि और हस्तशिल्प से जुड़े लोग प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

दिव्यांग छठव्रतियों के लिए निः शुल्क ई-रिक्शा

बीएनएम @ गया जी

छठ पूजा के अवसर पर वैसे छठव्रतियों जो वृद्धि एवं दिव्यांग छठ व्रतियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन गया द्वारा निशुल्क ई रिक्शा की व्यवस्था मुहैया करवायी है, जो शहर के विभिन्न क्षेत्र से होते हुए छठ घाटों तक जाएगी।जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि छठ महापर्व गया जिले में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए बुजुर्ग एवं दिव्यांग छठ व्रतियों को छठ घाट तक पहुंचने में कोई दिक्कत/ समस्या नहीं हो, इसके लिये पर्याप्त संख्या में निःशुल्क ई रिक्शा जो शहर के विभिन्न क्षेत्र होते हुए छठ घाटों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

मोदी सरकार के 12,000 ट्रेनों के दावे को रोहिणी आचार्य ने बताया सरासर झूठ

बीएनएम @ पटना

बिहार और पूर्वांचल के लोगों के लिए आस्था का सबसे बड़ा पर्व छठ पूजा इस बार यात्रियों के लिए मुश्किल यात्रा में बदल गया है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों से अपने गांव लौटने की कोशिश में लाखों लोग रेलवे स्टेशनों पर फंसे हैं। ट्रेनों में 200 प्रतिशत से अधिक भीड़ है—लोग दरवाजों से लटककर, छतों पर बैठकर और टॉयलेट में सफर करने को मजबूर हैं।केंद्र सरकार के इस दावे पर कि छठ पर्व के लिए 12,000 अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं, विपक्ष ने सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस नेता अविनाश पांडेय ने कहा,देश में कुल ट्रेनों की संख्या ही करीब 13,452 है, तो सिर्फ बिहार के लिए 12,000 ट्रेनें चलाने का दावा कैसे किया जा सकता है? ये जनता को भ्रमित करने और चुनावी लाभ लेने की कोशिश थी।उन्होंने कहा कि लाखों प्रवासी मजदूर टिकट के बिना प्लेटफॉर्म पर रातें बिता रहे हैं। "यह प्रशासनिक विफलता है और बिहारवासियों के साथ अन्याय," उन्होंने कहा।राजद नेता रोहिणी आचार्य ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा की यह इतना बड़ा झूठ है कि 'झूठ' शब्द भी छोटा पड़ जाए। देश में कुल 13,000 यात्री ट्रेनें हैं, तो 12,000 अतिरिक्त ट्रेनें कहां से आईं? क्या बाकी देश की सारी ट्रेनें रोककर बिहार भेज दी गईं?विपक्ष का आरोप है कि मोदी सरकार का यह दावा राजनीतिक प्रचार मात्र था, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। वहीं, रेलवे का कहना है कि कई स्पेशल ट्रेनों की मंजूरी दी गई है और भीड़ नियंत्रित करने के उपाय किए जा रहे हैं।फिर भी, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरें—ठसाठस भरी बोगियां, बेहोश यात्री और टिकटविहीन भीड़—यह दिखा रही हैं कि छठ पूजा के पहले बिहार के लिए घर लौटना अब आस्था से ज्यादा संघर्ष बन गया है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव पर साधा तीखा प्रहार

» डेढ़ साल में करोड़पति बनने पर उठाए सवाल

बीएनएम @ पटना

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच राजनीतिक तापमान बढ़ता जा रहा है। महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के दो दिन बाद, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में लालू परिवार पर पुराने भ्रष्टाचार के आरोप दोहराए और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला किया।चौधरी ने कहा, "तेजस्वी यादव डेढ़ साल की उम्र में ही करोड़पति कैसे बन गए? बिहार के नौजवानों से मेरा आग्रह है कि वे लालू परिवार से ये राज सीखें।" उन्होंने लालू प्रसाद यादव को 'गब्बर सिंह' करार देते हुए कहा कि जिस परिवार का मुखिया भ्रष्टाचार में लिप्त हो, वह भ्रष्टाचार मुक्त बिहार कैसे बना सकता है।उपमुख्यमंत्री ने लालू परिवार पर लूट और दुरुपयोग के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा, "जब वे सत्ता में थे, तो जानवरों का चारा खा गए, अलकतरा तक पी गए। रेल मंत्री रहते गरीबों से जमीन लेकर नौकरियां बांटी गईं।" यह बयान लैंड-फॉर-जॉब्स घोटाले का संदर्भ देते हुए आया, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू परिवार पर जांच की है।सम्राट चौधरी ने महागठबंधन और तेजस्वी यादव के चुनावी वादों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, "यह वही परिवार है जिसने 15-20 साल बिहार को लूटा। 2.70 करोड़ नौकरियां देने का दावा तो किया जा रहा है, लेकिन पहले यह बताएं कि 1.5 साल में इतनी संपत्ति कैसे बढ़ाई जाती है।"विश्लेषकों के अनुसार, सम्राट चौधरी का यह बयान राजनीतिक संघर्ष और चुनावी प्रचार की दिशा में महागठबंधन और NDA के बीच जारी टकराव को और तेज कर सकता है।

आज अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे छठवर्ती, तैयारियां पूरी

» महापर्व के दूसरे दिन लोगों ने खाया खरना का प्रसाद
» सड़कों पर फल और पूजन सामग्री खरीदने की भीड़

बीएनएम @ गया जी

सोमवार को छठ महापर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जायेगा। इसको लेकर सभी छठ घाटों पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वहीं मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन हो जायेगा।

घाटों पर रौनक ही रौनक- घाटों पर छठ महापर्व को लेकर रौनक ही रौनक दिखाई दे रहा है। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को छठवर्तियों ने घाटों पर पहुंचकर स्नान किया। एक दूसरे को सिंदूर लगाया और भगवान भास्कर को जल दिया। इसके साथ हीं 36 घंटे का निर्जला व्रत भी शुरू हो गया। घाटों से पीतल के बर्तन में प्रसाद खरना का प्रसाद बनाने के लिए पानी लिया।

खरना का प्रसाद किया तैयार- उधर घरों में भी करने का प्रसाद बनाने को लेकर लोगों ने सारी तैयारी कर रखी थी। चावल, दलकद्दू, गुड से बना खीर, चीनी से बना खीर खरना का मुख्य प्रसाद है। भगवान भास्कर को मिट्टी के प्याली में खरना का प्रसाद भोग के तौर पर लगाया गया। छठवर्तियों ने भगवान भास्कर को याद करते हुए संतान और परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। छठवर्तियों के प्रसाद ग्रहण करने के बाद आसपास के लोग भी खरना का प्रसाद खाने घरों में पहुंचें। देर शाम तक लोगों का आना-जाना लगा रहा।

मार्केट में भीड़ -हीं-भीड़- गांधी मैदान की बात हो या जीबी रोड की बात हजारों लाखों की भीड़ यहां फलों और सब्जियों की खरीदारी करने देखी गई है। कपड़ों की दुकान पर भी बहुत भीड़ देखी गई। सभी जगहों पर सैकड़ो अस्थाई दुकानें खुली हुई है।

घाटों की खुबसूरती देखते ही बन रही- सभी छठ घाटों पर छठ को लेकर बहुत ही आकर्षक तरीके से सजावट की गई है। बिजली के छोटे-छोटे बल्ब और जगह-जगह लगाये गये फूलों की लरियों ने खूबसूरती को बढ़ा दिया है। साफ- सफाई कई बहुत ध्यान रखा गया है। बिजली की भी पूरी व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को लेकर भी पुलिस मुख्यालय लगातार अनुमंडल मुख्यालय के साथ संपर्क कर हर गतिविधि पर नजर रखे हुये है।

गोगरी जनसभा में कारी शोएब के वक्फ बिल बयान पर भाजपा ने खोला मोर्चा

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच गोगरी में आयोजित तेजस्वी यादव की जनसभा अब सियासी सुर्खियों का केंद्र बन गई है। राजद एमएलसी कारी शोएब के मंच से दिए गए बयान ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। कारी शोएब ने कहा कि यदि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बने, तो वक्फ कानून को समाप्त कर दिया जाएगा। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और इसके बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई। करी शोएब ने कहा, "बिहार का मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव होना चाहिए। संसद में वक्फ बिल का समर्थन करने वालों को सबक सिखाया जाएगा। अगर तेजस्वी मुख्यमंत्री बने तो सभी बिल, खासकर वक्फ बिल, फाड़ दिए जाएंगे। भारत गठबंधन की सरकार प्रेम, एकता और भाईचारे की वकालत करती है, इसलिए जनता को इस गठबंधन को वोट देना चाहिए।" उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब चुनावी माहौल पहले से ही संवेदनशील है और धार्मिक मुद्दों पर बहस तेज है। भाजपा ने इस बयान को तुरंत राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। भाजपा के आईटी विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' (Twitter) पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि राजद के मंच से ऐलान हुआ कि अगर तेजस्वी मुख्यमंत्री बने तो वक्फ कानून खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने इसे कानून की अवमानना और जमीन लूटने की नीयत का उदाहरण बताया।साथ ही केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद न संसद का सम्मान करते हैं, न सुप्रीम कोर्ट का। उनका यह खुला बयान लोकतंत्र का अपमान है और बिहार की जनता इन्हें सबक सिखाएगी। इस बयान के बाद चुनावी राजनीतिक बहस और अधिक गर्म हो गई है, और धर्म-संवेदनशील मुद्दे चर्चा का मुख्य विषय बन गए हैं।

दरभंगा में मतदाता जागरूकता अभियान को मिली नई रफ्तार

बीएनएम @ दरभंगा

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को नई गति मिल गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कौशल कुमार के निर्देश पर विभिन्न प्रखंडों में आज विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना था।गौड़ाबौराम और बिरौल प्रखंडों में आयोजित रैली में स्कूली बच्चों, युवाओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। "वोट है हमारी ताकत" और "पहले मतदान, फिर जलपान" जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी लोगों को मतदान की महत्ता समझाई गई।प्रेक्षक सी.एन. लॉन्गफाई ने आज कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने मतदान केंद्रों पर दिव्यांगों और वृद्ध मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप, पेयजल और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) की जांच पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।जिला जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि जिले के हर पंचायत में अगले सप्ताह तक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ।

हिन्दी-मगही साहित्यिक मंच में छठ एवं चुनावी गीतों की रही धूम

बीएनएम @ वजीरगंज(गया जी)

कविता सुनाते रचनाकार

हिन्दी-मगही साहित्यिक मंच की मासिक बैठक रविवार को आयोजित की गई, जिसमें मंच सदस्यों व आमंत्रित लोगों ने चुनाव तथा छठ गीतों पर खूब तालियां बटोरी। मंच सदस्य पूर्णेन्दू कुमार ने मगही छठ गीत 'तोहरे अरगिया से भरल पूरल बगिया सुरूज देवता.. संझिया के बेरिया में नहा के परवइतिया सुरुज देवता... देहो सांझ के अरगिया सुरूज देवता------, आठ वर्षीय परी कुमारी ने काच रे बांस के बहंगिया.. बहंगी लचकत जाय----- गीत गया, जिस पर श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर खूब तालियां बजायी। वहीं महेश कुमार सुमन ने चुनावी व्यंग कविता 'अब तो अजीब-अजीब बातें होने लगे हैं... जो खुद भ्रष्टाचार में लीन हैं वो भी भ्रष्टाचार मिटाने की बात करने लगे हैं----- आवेत हको चुनाव होश में रहीह... नेता अइतो मंत्री आईतो झुठमुठ तोहरा खूब समझईतो-------- आदि कविताओं ने भी खूब वाहवाही बटोरी। बैठक के अंत में मंच का वार्षिकोत्सव मनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। मौके पर मंच संरक्षक कृष्णचन्द्र चौधरी, अध्यक्ष पंकज कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद, क्रांतिवीर शर्मा, सेवानिवृत शिक्षक, रामचन्द्र दास, अखिलेश कुमार, अमित कुमार, ललन कुमार, प्रभाकर कुमार एवं अन्य ने भी कविताएं पढ़ी।

देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही है। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही। योजना के तहत जिन महिलाओं को दस हजार पए की मदद मिलीहै, उन्हें छह महीने बाद मूल्यांकन पर खरा उतरने पर दो लाख पए की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। बात महिला सशक्तीकरण की हो रही है तो यह जान लेना जरूरी है बिहार में नीतीश सरकार की सबसे सफल योजनाओं में जीविका है।

छठ पूजाः सूर्य देवता को समर्पित महापर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसर छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान को दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। बिहार और उत्तर प्रदेश में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो देश के बड़े हिस्से में धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिनों तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्ध्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व है। हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है, जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिनों का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहाय-खाय कहते हैं, जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है लेकिन पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है।छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है। छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन

के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्ध्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्ध्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्ध्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है। छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नही ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इसमें मुख्य रुप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है लेकिन साथ ही सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा-पाठ करते है। साथ ही छठ माता की पूजा संतान के लिए कल्याणकारी होती है।

सौरमंडल में पृथ्वी की प्रकृति साधना का तप है छठ का लोक अनुष्ठान

आचार्य संजय तिवारी

सृष्टि में करोड़ों ब्रह्मांड हैं। हम जिस ब्रह्मांड में हैं उसका नाम पृष्णि है। हमारे इस ब्रह्मांड में करोड़ों आकाश गंगाएं हैं। हम जिस आकाश गंगा में हैं उसका नाम मिल्की वे है। इस आकाश गंगा में भी करोड़ों सौर मंडल हैं। हम जिस सौर मंडल में हैं उसका नाम सविता है। हमारे इस सौर मंडल में हम सब सूर्य की ऊष्मा, ऊर्जा और गति से संचालित हैं। हमारा यह सूर्य सदैव है। जिसे हम सूर्य का डूबना कहते हैं वह गलत है। सूर्य कभी डूबता ही नहीं। हमारी पृथ्वी उसके चक्कर लगाती है। पृथ्वी के जिस गोलार्ध में हम होते हैं वहां 12 घंटे सूर्य नहीं दिख सकता, वह 12 घंटे दूसरे गोलार्ध में दिखता है। अतः सूर्य कभी डूबता ही नहीं। अपने गोलार्ध में सूर्य की अंतिम उपस्थिति के समय अर्घ्य देकर हम अपने लिए उससे अमृत ऊर्जा लेते हैं। ऊर्जा के इस क्रम को दूसरे दिन सुबह की अर्घ्य से पूरी करते हैं। यह कार्य 365 दिनों में केवल एक बार कर लेने से हमे मूल आरोग्य की ऊर्जा प्राप्त हो सकती है, यदि पूरे मनोयोग से यह प्रयोग किया जाय। छठ के लोक पर्व का यही महाविज्ञान है। यह केवल बिहार प्रदेश का कोई पर्व भर नहीं है। यह वैश्विक प्रयोग है। मिस्र जैसे भूभाग के इतिहास में भी नदी में खड़ी स्त्री को सूर्य के समक्ष प्रार्थना के साथ जल प्रवाह के लिखित प्रमाण मौजूद हैं। यह प्रमाण है कि विश्व में पंथों और संप्रदायों के उद्भव से पूर्व समस्त मानव जाति अपना यह प्रयोग करती थी। वास्तव में सौर मंडल में पृथ्वी की प्रकृति साधना का तप है छठ का यह लोक अनुष्ठान। इसे व्यापक प्रयोग भी कहना उचित होगा। यह लोक पर्व वास्तव में सूर्य से किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयोग है जिसके माध्यम से जीवन को आरोग्य और विराट स्वरूप दिए जाने की कला है। सूर्य वास्तव में कभी डूबता नहीं है, बल्कि पृथ्वी के घूर्णन के कारण यह हमें दिखाई देना बंद कर देता है। जब पृथ्वी का कोई हिस्सा घूमकर सूर्य से दूर चला जाता है, तो हमें लगता है कि सूर्य डूब गया है। हालांकि, पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान कई हफ्तों या महीनों तक सूरज डूबा नहीं रहता है, जिसे मध्यरात्रि सूर्य कहते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। जब आप सूर्य को डूबते हुए देखते हैं, तो आप असल में पृथ्वी के उस हिस्से पर होते हैं जो सूर्य से दूर घूम रहा है।

स्थायी घटनाः सूर्य हमेशा एक ही जगह पर स्थिर रहता है। सूर्य का डूबना एक स्थानिक घटना है, जो पृथ्वी के घूर्णन के कारण होती है।

सूर्य को अर्घ्य के मंत्रः-

ॐ सूर्याय नमः
ॐ घृणि सूर्याय नमः"।
ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।।
एहि सूर्य सहस्त्रांशो
तेजो राशे जगत्पते,
अनुकम्पां मया भक्त्या
गृहाणार्घ्यं दिवाकर।।

ॐ सूर्याय नमः -यह एक सीधा और शक्तिशाली मंत्र है जिसका अर्थ है 'सूर्य देवता को नमस्कार'।

ॐ घृणि सूर्याय नमः -इस मंत्र का उपयोग अक्सर किया जाता है, जिसमें 'घृणि' का अर्थ सूर्य की किरणों से होता है।

ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः -यह भी एक लोकप्रिय मंत्र है।

"एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजो राशे जगत्पते, अनुकम्पां मया भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकर"- इस मंत्र का अर्थ है, "हे सूर्य, हजारों किरणों वाले तेजस्वी, संसार के स्वामी, कृपा करके मेरे इस अर्घ्य को स्वीकार करें"। ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्त्रकिरणराय मनोवांछित फलम् देहि देहि स्वाहाः -यह एक अधिक विस्तृत और शक्तिशाली मंत्र है जिसका उपयोग विशेष मनोकामनाओं के लिए किया जाता है। अर्घ्य देते समय आप इन मंत्रों में से किसी एक का जाप कर सकते हैं। सबसे प्रभावी तरीका है कि आप मंत्र का जाप करते हुए सूर्य की ओर देखें और अर्घ्य दें। आप इन मंत्रों को सूर्योदय के समय और जल चढ़ाते समय भी दोहरा सकते हैं।

सूर्य की परिक्रमा- सूर्य की परिक्रमा का अर्थ है कि ग्रह सूर्य के चारों ओर एक निश्चित पथ, जिसे कक्षा कहते हैं, में घूमते हैं। पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा लगभग 365 दिनों में पूरी करती है, जबकि अन्य ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। बुध को 88 दिन और नेपच्यून को लगभग 165 साल लगते हैं। इसके अतिरिक्त, सूर्य स्वयं भी आकाशगंगा के केंद्र के चारों ओर परिक्रमा करता है।

ग्रहों द्वारा सूर्य की परिक्रमा- पृथ्वीः एक परिक्रमा में लगभग 365 दिन लगते हैं, जिससे एक वर्ष बनता है।

बुधः सूर्य के सबसे निकट है और एक परिक्रमा करने में केवल 88 दिन (लगभग 0.24 वर्ष) लगते हैं।

नेपच्यूनः सबसे दूर स्थित ग्रह है, जिसे सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करने में लगभग 165 वर्ष लगते हैं। बृहस्पति को लगभग 12 वर्ष, शनि को लगभग 29 वर्ष और यूरेनस को लगभग 84 वर्ष लगते हैं।

सूर्य की गतिः पृथ्वी 67,000 मील प्रति घंटे (107,800 किलोमीटर प्रति घंटे) की गति से सूर्य की परिक्रमा करती है।

आकाशगंगा की परिक्रमाः सूर्य और सौर मंडल मिलकर आकाशगंगा के केंद्र की परिक्रमा करते हैं। सूर्य की अपनी गति लगभग 500,000 मील प्रति घंटे (800,000 किलोमीटर प्रति घंटे) है, जो पृथ्वी की परिक्रमा गति से काफी तेज़ है।

अर्घ्य का विज्ञान- सूर्य को अर्घ्य देने का वैज्ञानिक महत्व है कि इससे शरीर को विटामिन डी मिलता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। अर्घ्य देते समय सूर्य की किरणों का पानी से छनकर शरीर पर पड़ना आँखों की रोशनी के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा, यह मानसिक शांति देता है, पाचन में सुधार करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है। सुबह की सूर्य की किरणों से शरीर में विटामिन डी का निर्माण होता है, जो हड्डियों को मजबूत करता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है। जल के माध्यम से सूर्य की किरणों को देखने से आंखों की एक तरह से कसरत होती है, जिससे दृष्टि शक्ति बढ़ती है और आंखों को ठंडक मिलती है। सुबह के समय नंगे पांव घास या जमीन पर खड़े होकर अर्घ्य देने से एक्यूप्रेशर और ग्राउंडिंग थेरेपी का लाभ मिलता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है। सूर्योदय के समय मेलाटोनिन हार्मोन कम होता है और सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है, जिससे भूख अच्छी लगती है और पाचन तंत्र सुधरता है। अर्घ्य देते समय मंत्रों का जाप करने से मस्तिष्क की तरंगें शांत होती हैं, तनाव कम होता है और मानसिक संतुलन बढ़ता है। यह क्रिया माइंडफुलनेस की तरह काम करती है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है और सोच सकारात्मक होती है।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें। जीवनसाथी घर के कार्यों में मदद करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे। सभी जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे।

देश की सड़कों पर मंडराती मौत ? कब रुकेगें भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे

नरेन्द्र भारती

बेशक प्रतिवर्ष सड़क हादसों को रोकने व सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है।देश में प्रतिदिन इतने भीषण व दर्दनाक व खौफनाक सड़क हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।देश के प्रत्येक राज्यों तथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है बेकसूर लोग बेमौत मारे जा रहे है।24 अक्तूबर 2025 की अल सुबह आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिला के चिन्नातेकुर के पास एक प्राईवेट बस व दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई बस में 44 यात्री सवार थे।18 यात्री जीवित हैं। हादसे में शव पूरी तरह जल चुके हैं उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया हे। 14 अक्तूबर 2025 को भी राजस्थान के जैसलमेर में एक बस को आग लग जाने से 22 यात्री बेमौत मारे गए थे। देश की सड़कों पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं।लाशों के अंबार लग रहे है।आंकडो के अनुसार 8 जुलाई 2019 सोमबार को उतर प्रदेश के आगरा के यमुना एक्सप्रैस वे पर एक भीषण सडक हादसे में 29 लोग की दर्दनाक मौत हो गइ थी और 23 घायल हो गए थे।यह हादसा तक हुआ जब लोग गहन निंद्रां में सोए थे।यह बस एक नाले में गिरी थी ।यह बस लखनउ से दिल्ली आ रही थी।यह हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ था।सफर कर रहे लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका आखिरी सफर होगा।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।इस शाप से कब मुक्ति मिलेगी यह एक यक्ष प्रश्न है। लापरवाहियों व जानबूझकर हादसे हो रहे है।एक चालक की गलती से लोगों को मौत नसीब हो रही है।आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर है। हिमाचल के बंजार में भी एक बस हादसे में 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।अभी इस हादसे की स्याही भी नहीं सूखी थी कि1 जुलाई 2019 को जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ जिले में एक मिनी बस के खडड में गिरने से 35 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।28 सीटर बस में 52 लोग सवार थे।पल भर में लाशों में तब्दील हो गए।लोगों की अकाल मौत हो गई थी।गत वर्ष1जुलाई 2018 को एक ऐसा ही बस हादसा उतराखंड में घटित हुआ था।उतराखंड के गढवाल मंडल के पौडी जिले के नैनीडांडा विकास खंड के पिपली भौन मोटर मार्ग पर धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे।ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिग तोड़कर नदी में जा गिरी।9यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ। बेशक प्रतिवर्ष जनवरी माह में पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।दस महिनों में लाखों लोग मारे जा चुके है। यह आंकड़ा बडे पैमाने पर बढता जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा।हर रोज सड़क हादसों में मौते हो रही है।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है क्योकि धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा।आज बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है क्योकि आज फर्जी लाईसैसों के बलबूते बहुत से वाहन चालक वाहन चलाते है यदि सही तरीके से पूरी औपचारिकताएं निभा कर लाईसैंस जारी किए जाएं तो अधिकांश लोग फेल हो जाएगें कुछ लोग अपनी पहुंच के कारण लाईसैंस बनवा लेते है भले ही उन्हे गाड़ियों का ज्ञान तक नहीं होता इस बाबत प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए कि चाहे कितनी भी बड़ी पहुंच वाला हो पूरें नियमों को पूरा करने के बाबजूद ही लाईसैंस जारी किया जाए। अगर ऐसा किया जाता है तो निश्चित रुप से दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सरकार द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।जयादातर हादसे ओवर स्पीड के कारण हो रहे है। बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं।देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

एजेंसी, सिडनी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

रांची आए देश-विदेश के एथलीट्स ने साझा की अपने जीवन और संघर्ष की कहानी

एजेंसी, रांची

रांची में आयोजित चौथे दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के दौरान 'जोहार वार्ता ' ने रविवार को खिलाड़ियों के दिलों की बात को मंच पर लाने का एक सशक्त और संवेदनशील प्रयास किया है। इस विशेष संवाद श्रृंखला में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों से आए एथलीट्स ने न केवल अपने संघर्षों और उपलब्धियों की कहानी सुनाई, बल्कि झारखण्ड में बिताए अपने यादगार अनुभवों को भी साझा किया। दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की ओर से आयोजित 'जोहार वार्ता' में भारत के समरदीप सिंह गिल ने अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा, " मैं क्रिकेट में तेज़ गेंदबाज और पिंच हिटर था। फिटनेस के लिए स्टेडियम जाना शुरू किया और वहीं पहली बार शॉटपुट फेंका और यहीं से नई कहानी शुरू हुई। बीच में चोटें भी आईं, पर परिवार का साथ हमेशा मिला। भारत का ध्वजवाहक बनना मेरे लिए गर्व का क्षण था।" समरदीप सिंह गिल ने पुरुष शॉटपुट में नया मीट रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता और भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे। हरियाणा के रोहतक से आईं संजना सिंह ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा. "मैं बचपन में बहुत शरारती थी, इसलिए माता-पिता ने मुझे खेलों में भेजा, ताकि मेरी ऊर्जा सही दिशा में लगे। मैंने शुरुआत

में स्प्रिंट किया, फिर मिडल डिस्टेंस रेस में अपनी पहचान बनाई। मेरी माँ वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं, लेकिन उन्हें समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें हर मदद दूंगी, आज वही मेरी ताकत बनीं।" संजना सिंह ने 1500 मीटर और 5000 मीटर दोनों में स्वर्ण पदक जीता है। मालदीव की सबहा ने भी अपने अनुभव साझा किए और कहा, " यह प्रतियोगिता 17 साल बाद आयोजित हुई और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मेरा परिवार गरीब है, खेल ही मेरे जीवन का आधार रहा है। रांची आकर मैं यहां की शानदार व्यवस्थाओं और लोगों की गर्मजोशी से अभिभूत हूं। यह अनुभव मैं कभी नहीं भूलूंगी।" श्रीलंका के रनातुंगे रोशन ने कहा, "स्प्रिंट आसान नहीं होता, महीनों की मेहनत का परिणाम बस 11-12 सेकंड में तय होता है। श्रीलंका हमेशा से स्प्रिंट में अच्छा रहा है और भारत की प्रगति देखना प्रेरणादायक है। रांची की संस्कृति और दर्शकों का जोश हमेशा याद रहेगा।" इन्होंने पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स में रजत पदक जीता है। नेपाल के मुकेश बहादुर पाल, जो पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में चौथे स्थान पर रहे, उन्होंने कहा, "भारत हमारे देश जैसा ही लगता है। मैंने रांची का नाम सुना था, लेकिन यह नहीं जानता था कि यह इतना सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से समृद्ध है। हम बॉलीवुड के गाने सुनते हैं और विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे भारतीय क्रिकेटर नेपाल में भी बहुत लोकप्रिय हैं। यहां सरकार द्वारा दी गई सुविधाएं शानदार रहीं। यह अनुभव मैं अपने पोते-पोतियों को सुनाऊंगा कि मैं इन ऐतिहासिक सैफ गेम्स का हिस्सा था।" इन सच्ची और प्रेरक कहानियों ने 'जोहर वार्ता को इस चैम्पियनशिप का भावनात्मक केंद्र बना दिया है, जहां खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन, संघर्ष और एकता का उत्सव बन गया है। खेल भावना, भाईचारा और सांस्कृतिक जुड़ाव को समर्पित यह पहल खिलाड़ियों की मानवता, भावनाओं और प्रेरणा को उजागर करने वाला एक जीवंत मंच बन गई है। चौथे दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 के अंतर्गत आयोजित जोहर वार्ता का उद्देश्य खिलाड़ियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

एजेंसी, इंदौर

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं। इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरुर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्काल पकड़ लिया था। यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है

कि अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि सर्विस रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

मेसी का भारत दौरा टला

एजेंसी, कोच्चि

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है। दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है। वहीं इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी। गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के

दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया था। वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

केकेआर अगले सत्र में वेंकटेश अय्यर सहित इन खिलाड़ियों को कर सकती है बाहर

एजेंसी, मुम्बई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए अपनी टीम में कई बदलाव कर सकती है। 2024 में दूसरी बार विजेता बनी केकेआर साल 2025 में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में प्लेऑफ में भी नहीं पहुंची। टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में टीम कुछ स्टार खिलाड़ियो को बाहर कर सकता है। इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए नीलामी 15 सितंबर को होने की संभावना है।

ये खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

वेंकटेश अय्यर- वेंकटेश अय्यर को 2025 सत्र में केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपए देकर रिटेन किया था पर वह 7 पारियों में 20.29 की औसत से केवल 142 रन ही बना पाये। इसमें केवल एक अर्धशतक था। इस खिलाड़ी को जितने अधिक पैसे देकर फ्रेंचाइजी ने अपने साथ रखा था, उसका लाभ उसे नहीं मिला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टीम के लिए एक भी बड़ी मैच विजेता पारी नहीं खेली। ऐसे में अगले सत्र से पहले इन्हें बाहर किये जाने की पूरी संभावना है।

आंद्रे रसल- पिछले एक दशक से केकेआर के लिए खेल रहे आंद्रे रसल को भी अगले सत्र बाहर किया जा सकता है। रसेल पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। उनकी फिटनेस भी अच्छी नहीं है। रसल ने आईपीएल 2025 में 10 इनिंग्स में 18.56 की औसत से 167 रन बनाए, जिसमें मात्र एक अर्धशतक ही शामिल था। 5 पारियों में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं गेंदबाजी में 9 पारियों में 8 विकेट ले पाए और 11.94 की इकोनॉमी से रन दिये। ऐसे में उनको बाहर किया जाना तय है।

एनरिच नॉर्खिया- साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्खिया को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। फ्रेंचाइजी ने मिचेल स्टार्क की जगह पर नॉर्खियाको अपने साथ जोड़ा था पर वह 2 पारियों में केवल 1 विकेट ही ले पाये थे। इतना ही नहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर में इस गेंदबाज ने 60 रन दे दिये थे।

क्विंटन डी कॉक- दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर क्विंटन डी कॉक को पिछले सत्र में केकेआर ने खरीदा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। डी कॉक 8 पारियों में केवल 152 रन बना पाये थे। उनका औसत भी 21.71 रहा। वहीं डी कॉक के कारण उसे रहमनुल्लाह गुरबाज को बेंच पर बैठाना पड़ा था। इसको देखते हुए अब अगले सत्र में डी कॉक को रिलीज किया जा सकता है। टीम में संतुलन के लिए बनाए रखने के लिए इन्हें केकेआर टीम से निकाल सकती है।

व्यापार

साप्ताहिक समीक्षा : शेयर बाजार में ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा

नई दिल्ली। शुक्रवार 24 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे सप्ताह मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुआ। बाजार में जारी तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 52 सप्ताह के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स 30 सितंबर, 2024 के बाद पहली बार 85 हजार अंक के ऊपर खुला। इसी तरह निफ्टी ने भी 30 सितंबर 2024 के बाद पहली बार 26,000 अंक के स्तर को पार करने में सफलता हासिल की। पूरे सप्ताह हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 259.69 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 84,211.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 85.30 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,795.15 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होने की उम्मीद, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा घरेलू शेयर बाजार लगातार की जा रही खरीदारी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह ज्यादातर समय उत्साह का माहौल बना रहा। इसी उत्साह के कारण घरेलू शेयर बाजार ने साल 2025 में पहली बार लगातार चौथे सप्ताह साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल इंडस टावर, वोडाफोन आइडिया, श्रीराम फाइनेंस, कमिंस इंडिया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर साप्ताहिक आधार पर 5 से 10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस, अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, आईसीआईसीआई बैंक, एटरनल, हुंडई मोटर इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट और श्री सीमेंट के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। इसी

तरह 24 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी हासिल करने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, फेडरल बैंक, क्रिसिल और बंधन बैंक टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सुप्रीम इंडस्ट्रीज, फोर्टिस हेल्थकेयर, डालमिया भारत, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, कैन्स टेक्नोलॉजी इंडिया और एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, भागेरिया इंडस्ट्रीज, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, डीसीबी बैंक और राजरतन ग्लोबल वायर के शेयर साप्ताहिक आधार पर 21 से 36 प्रतिशत की बढ़त हासिल करके टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर गैलेंट इस्पात, ऐस्टेक लाइफ साइंसेज, स्टेलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, इंडो थाई सिक्योरिटीज, जेनेसिस इंटरनेशनल कॉरपोरेशन, यूनिपार्ट्स इंडिया और तानला प्लेटफॉर्म्स के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें, तो निफ्टी का आईटी इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 3 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह पीएसयू बैंक इंडेक्स 2 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहा। वहीं निफ्टी का मेटल इंडेक्स 1.5 प्रतिशत उछल गया।y

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन दिसंबर तक टला

नई दिल्ली। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन अब अक्टूबर के अंत तक संभव नहीं हो पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जेवर पहुंचकर हवाई अड्डे का जमीनी और हवाई निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी कि 27 अक्टूबर को डीजीसीए की निगरानी में एक विशेष चेक फ्लाइट का संचालन किया जाएगा, ताकि सुरक्षा और तकनीकी मानकों की जांच की जा सके। बताया गया कि एयरपोर्ट से जुड़ी सभी तैयारियां 15 नवंबर तक पूरी कर ली जाएंगी। हालांकि उद्घाटन की नई आधिकारिक तारीख अभी तय नहीं की

गई है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता, समयबद्धता और समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने एयरपोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में सौंदर्यीकरण, सफाई और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही कनेक्टिंग रोड और मेट्रो परियोजनाओं को भी समय पर पूरा करने को कहा। 12,000 करोड़ की लागत से बन रहा यह एयरपोर्ट पहले चरण में 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। अब तक 6,700 एकड़ भूमि अधिग्रहण हो चुका है, जबकि शेष 5,100 एकड़ तीन महीनों में अधिग्रहीत होगी। पहले चरण में एक रनवे तैयार है, जिससे 12 मिलियन यात्रियों को सालाना सुविधा मिलेगी और प्रतिदिन करीब 150 उड़ानें संचालित होंगी। डीजीसीए से लाइसेंस मिलते ही एयरलाइंस अपने दफ्तर स्थापित करेंगी और मध्य दिसंबर से उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है।

छह दिन की गिरावट के बाद फिर महंगा हुआ सोना, चांदी में भी मामूली तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार छह दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद रविवार को सोना और चांदी की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज सोना 1,160 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,260 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी की कीमत में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए इस उछाल की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,620 रुपये से लेकर 1,25,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,15,150 रुपये से लेकर 1,15,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में आज 1,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर चांदी बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार

तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 5,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 4,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की तरह ही पूरे सप्ताह के कारोबार में चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 17,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,25,770 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,15,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,25,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,25,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,15,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मारुति सुजुकी ने बनाया बिक्री का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में त्योहारी सीजन नवरात्रि से दिवाली तक ऑटोमोबाइल कंपनियों ने बिक्री में नए रिकॉर्ड बनाए, जिसमें मारुति सुजुकी सबसे आगे रही। मारुति सुजुकी कंपनी ने इस फेस्टिव सीजन में कुल 3.25 लाख वाहनों की रिटेल बिक्री की और लगभग 4.50 लाख गाड़ियों की बुकिंग दर्ज की। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारतीय ग्राहक नई कार खरीदने के लिए कितने उत्साहित थे। बिक्री में इस उछाल के पीछे दो मुख्य कारण थे। पहला, जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत कारों पर टैक्स दरों में कटौती, जिसने लोकप्रिय मॉडलों की कीमतों को घटाकर ग्राहकों को आकर्षित किया। दूसरा, कंपनियों और बैंकों द्वारा पेश किए गए आकर्षक फाइनेंस विकल्प, जिससे कार खरीदना आसान हो गया। इन वजहों से नवरात्रि से दिवाली के बीच बिक्री में पिछले साल की तुलना में 15 से 35 प्रतिशत तक तेजी देखी गई। इस फेस्टिव सीजन में टाटा मोटर्स

ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी ने 1 लाख से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी दी, जिसमें नेक्सन और पंच प्रमुख रहे। नेक्सन ने 38,000 यूनिट्स से अधिक की बिक्री कर 73प्रतिशत की सालाना वृद्धि दिखाई, जबकि पंच ने 32,000 यूनिट्स के साथ 29 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। टाटा के इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो ने 10,000 से ज्यादा डिलीवरी दी, जो इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। धनतेरस के दिन ही 51,000 से अधिक गाड़ियों ने नए मालिकों के घर में जगह बनाई, जो एक दिन की बिक्री का नया रिकॉर्ड है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,687.03 करोड़ रुपये बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 36,126.6 करोड़ रुपये बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,938.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 13,892.07 करोड़ रुपये

बढ़कर 8,34,817.05 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 11,947.17 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 9,779.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने सप्ताह के दौरान 2,340.25 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,62,513.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के उलट आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 43,744.59 करोड़ रुपये घटकर 9,82,746.76 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 20,523.68 करोड़ रुपये घटकर 5,91,486.10 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,983.68 करोड़ रुपये घटकर 15,28,227.10 करोड़ रुपये रह गया।

जाह्नवी कपूर ने सुंदर दिखने के लिए कराई सर्जरी

बोलीं– सब मां के मार्गदर्शन में किया

जाह्नवी कपूर को अक्सर इस वजह से ट्रोल किया जाता है कि उन्होंने सुंदर दिखने के लिए सर्जरी कराई है। लोगों ने उनके बदले हुए शरीर पर कई बार सवाल खड़े किए हैं। देवरा पार्ट 1 का चुट्टमल्ले जब रिलीज हुआ था तो भी उनकी सर्जरी खूब चर्चा में रही थी। उनके हाथों के नीचे दिख रहे निशान के चलते उन्हें खूब आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब सर्जरी की अफवाहों पर आखिरकार जाह्नवी ने चुप्पी तोड़ दी है। काजोल और ट्विंकल खन्ना के शो में पहुंचीं जाह्नवी ने कहा, मैं दिखावा करने या अपनी बातों को किसी से छिपाने पर यकीन नहीं करती। मैं ये दिखाने की कोशिश नहीं करती कि मैं स्वाभाविक रूप से परफेक्ट हूं। जब सोशल मीडिया नया-नया शुरू हुआ था, तब मैं भी उन युवा लड़कियों में से एक थी, जो बहुत जल्दी चीजों से प्रभावित हो जाती थीं। उस समय भी सबको एक खास तरह से दिखने के लिए दबाव बनाया जाता था। जाह्नवी कहती हैं, मैं नहीं चाहती कि युवा लड़कियां सोशल मीडिया या परफेक्ट दिखने वाली सोच से प्रभावित हों। मैं ये मानती हूं कि हर किसी को वो करना चाहिए, जो उन्हें खुश रखे। तुम जैसे हो, वैसे ही रहो। मुझे कोई दिक्कत नहीं होगी, अगर मैं अपनी जिंदगी के बारे में बिना कुछ छिपाए सबकुछ खुलकर बताऊं। मुझे लगता है कि मैंने जो कुछ भी किया है, वो बहुत सूझ-बूझ और सही तरीके से किया है। बातचीत में जाह्नवी आगे कहती हैं कि वो पूरी तरह से ईमानदार रहना चाहती हैं। लोगों ने ये भी दावा किया था कि कुछ वायरल वीडियो में लोगों ने दावा किया था कि उन्होंने बफेलो-प्लास्टी करवाई है.। इस पर वो बोलीं कि उन्होंने जो भी किया, वो अपनी मां श्रीदेवी की सलाह के साथ किया। जाह्नवी बोलीं, अगर कोई युवा लड़की ये वीडियो देखकर वही करने की कोशिश करे और कुछ गलत हो जाए तो ये सबसे बड़ी गलती होगी। आखिर में जाह्नवी बोलीं कि वो हमेशा अपने अनुभव साझा करना चाहती हैं ताकि नई पीढ़ी को सही जानकारी मिले और कोई गलत कदम न उठाए। उन्होंने ये भी कहा कि ये बातचीत केवल उनकी नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए है जो अपने आप को लेकर असुरक्षित महसूस करती हैं। काम के मोर्चे पर बात करें तो जाह्नवी इन दिनों करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ नजर आ रही हैं।

प्रणव मोहनलाल स्टारर हॉरर थ्रिलर डाइस इरा का टीज़र रिलीज़, 31 अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज़

प्रणव मोहनलाल की आगामी हॉरर थ्रिलर डाइस इरा के निर्माताओं ने फिल्म का टीज़र जारी कर दिया है, जिससे दर्शकों को प्रशंसित निर्देशक राहुल सदाशिवन के इस शैली में नवीनतम प्रयास की पहली झलक मिलती है। एक मिनट 44 सेकंड का यह फुटेज भटकती आत्माओं, मानसिक पीड़ा और एक ऐसे रहस्य की एक खौफनाक दुनिया को दर्शाता है जो एक ही अशुभ कुएँ की ओर लौटता प्रतीत होता है। टीज़र की शुरुआत प्रणव से होती है जो एक अस्पताल के प्रतीक्षालय में बैठे हैं, उनके हाथ खून से सने हैं, और वह एक दिल दहला देने वाली पंक्ति सुनाते हैं: जब कोई गहरी नफरत या अधूरी इच्छा लिए मर जाता है... तो उसकी आत्मा वास्तव में इस दुनिया से कभी नहीं जाती। डाइस इरा भूतकालम (2022) और ब्रमायुगम (2024) के बाद राहुल की हॉरर में लगातार तीसरी फिल्म है, दोनों को समीक्षकों द्वारा सराहा गया था। टीज़र प्रणव की दमदार स्क्रीन उपस्थिति के साथ, एक खौफनाक हैलोवीन अनुभव का वादा करता है। यह फिल्म मनोवैज्ञानिक बेचैनी, आघात और माहौल में व्याप्त भय की ओर झुकती हुई प्रतीत होती है। अपने प्रभावशाली दृश्यों, बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय हॉरर क्लासिक्स की झलक के साथ, डाइस इरा साल की सबसे प्रतीक्षित हॉरर फिल्मों में से एक बनती जा रही है। डाइस इरा 31 अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है, जो इसे हैलोवीन के लिए एक उपयुक्त आगमन बनाता है।<इस फिल्म में राहुल अपने कई पुराने सहयोगियों के साथ फिर से काम कर रहे हैं, जिनमें छायाकार शहनाद जलाल और संपादक शफीक मोहम्मद अली शामिल हैं। कला निर्देशन पोनमैन निर्देशक जोतिश शंकर ने किया है, संगीत क्रिस्टो ज़ेवियर ने दिया है और स्टंट कोरियोग्राफी मार्को-प्रसिद्ध कलाई किंग्सन ने की है। फिल्म का निर्माण रामचंद्र चक्रवर्ती और एस शशिकांत ने नाइट शिफ्ट स्टूडियो और वाईनॉट स्टूडियो के तहत किया है।

2025 की सबसे कमाऊ फिल्म कांतारा: चैप्टर 1, छावा को पछाड़ा, कमाई 800 करोड़ रु के पार

ऋ षभ शेट्टी स्टारर फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 ने साल 2025 में इतिहास रच दिया है. इसी के साथ फिल्म अलग- अलग भाषा में कमाई के कई रिकॉर्ड बनाए हैं. फिल्म अपनी रिलीज के 23वें दिन में चल रही है और कमाई अभी भी डबल डिजिट में हो रही है. हालांकि, हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कमाई गिर गई है, इसका कारण हालिया रिलीज दो फिल्में थामा और एक दीवाने की दीवानियत हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर दिल खोलकर कमा रही हैं, लेकिन अन्य भाषा में कांतारा चैप्टर 1 की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ा है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने अपने एक्स हैंडल पर बताया है कि कांतारा चैप्टर 1 साल 2025 की सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 818 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है, जबकि मौजूदा साल में रिलीज हुई विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा ने तकरीबन 800 करोड़ रुयपे कमाए थे. कांतारा चैप्टर 1 ने तेलुगु में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली दूसरी डबिंग फिल्म बन गई है और तमिलनाडु में तीसरी. कांतारा चैप्टर 1 अब बस कन्नड़ की हाइएस्ट ग्रोसर केजीएफ 2 से पीछे हैं, जिसने 1250 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. बता दें, कांतारा चैप्टर 1 भारत में 550 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है. हिंदी पट्टी में फिल्म का कलेक्शन 200 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है. छावा ने भारत में 615.39 करोड़ रुपये और वर्ल्ड वाइड 797.34 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. छावा से पहले कांतारा: चैप्टर 1 मौजूदा साल की हाइएस्ट ग्रासिंग फिल्में सैयारा, कूली, महावतार नरसिम्हा और हाउसफुल 5 का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है. दूसरी तरफ थामा भारत में 50 करोड़ रुपये और एक दीवाने की दीवानियत 26.8 करोड़ रुपये कमा चुकी है.

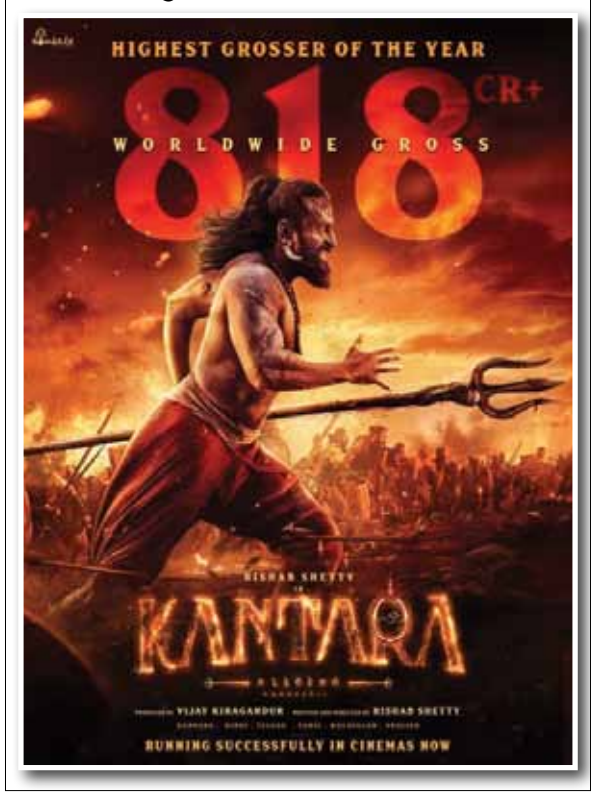

अवनीत कौर ने लहंगा पहन कराया ग्लैमरस फोटोशूट

अदाएं देख फैंस बोले– धरती पर उतरी अप्सरा

टीवी की दुनिया से एक्टिंग डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर अब फिल्मी गलियारों में नजर आती हैं. सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली अवनीत कौर ने एक बार फिर जबरदस्त फोटोशूट करवाया है. इस बार उन्होंने लहंगा पहनकर अपनी दिलकश अदाएं दिखाई हैं. अवनीत कौर की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस घायल हो रहे हैं. अवनीत कौर का लेटेस्ट फोटोशूट लोगों का ध्यान खींच रहा है. उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की तस्वीरों पर फैंस की निगाहें टिक गई हैं और बार-बार निहार रहे हैं. अवनीत कौर ने अपने फोटोशूट के दौरान लहंगा पहना हुआ जो उनके खूब अच्छा लग रहा है. उनकी एक से बढ़कर एक खूबसूरत अदाएं फैंस पर कहर ढा रही हैं. अवनीत कौर ने लहंगा पहनकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं छोड़ा है. उनके हद से ज्यादा ग्लैमरस अंदाज को देख फैंस आहें भरने पर मजबूर हो रहे हैं. अवनीत कौर की लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर छाई हैं. एक्ट्रेस की तस्वीरें वायरल होते ही फैंस पसंद तो कर ही रहे हैं. इसके साथ जमकर रिएक्शन भी दे रहे हैं. अवनीत कौर के लिए एक फैन ने लिखा है, धरती पर उतरी अप्सरा. एक फैन ने लिखा है, क्यों ना विराट कोहली लाइक करें. एक फैन ने लिखा है, खूबसूरती.

एक दीवाने की दीवानियत बॉक्स ऑफिस पर हुई बेअसर, तीसरे दिन बटोरे सिर्फ इतने

बंपर ओपनिंग लेने वाली फिल्मों पर हर किसी की नजर होती है। मुश्किल होता है, तो उसका लंबे समय तक मोटी कमाई के साथ टिके रहना। अक्सर पहले दिन अच्छी कमाई करने वाली फिल्में 2 या 3 दिनों में दम तोड़ने लगती हैं, जैसा अभी एक दीवाने की दीवानियत के साथ हो रहा है। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे ही दिन बॉक्स ऑफिस पर रेंगना शुरू कर दिया है। यहां देखिए ताजा कलेक्शन। एक दीवाने की दीवानियत को दिवाली के मौके पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। दो दिन तक ठीक-ठाक कमाई करने के बाद तीसरे दिन इसे बड़ा झटका लगा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे दिन सिर्फ 6 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 9 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन 7.75 करोड़ कमाए थे। 3 दिनों में एक दीवाने की दीवानियत कुल 22.75 करोड़ रुपये जुटा पाई है। एक दीवाने की दीवानियत का कुल बजट 30 करोड़ रुपये बताया गया है। हर्षवर्धन और सोनम अभिनीत ये फिल्म वसूलने के करीब है। उम्मीद की जा रही है कि वीकेंड के मौके पर फिल्म को बढ़त मिल सकती है, लेकिन आयुष्मान खुराना अभिनीत थामा इसके लिए रुकावट साबित हो सकती है। दूसरी ओर ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 भी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाए हुए है। फिल्म ने 22 दिनों में 563 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

थामा का जादू तीसरे दिन पड़ा फीका, फिल्म की कमाई में आई भारी गिरावट

अभिनेता आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा का हर किसी को बेसब्री से इंतजार था। 21 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस लूट लिया। दर्शकों से लेकर समीक्षकों तक ने इस फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। यही नहीं, थामा आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन गई। चौंकाने वाली बात ये है कि रिलीज के तीसरे ही दिन थामा का जादू फीका पड़ता दिखा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, थामा ने रिलीज के तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 12.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। ये फिल्म का अभी तक का सबसे कम कारोबार है। आयुष्मान की फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 24 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन फिल्म ने 18.6 करोड़ रुपये कमाए थे। तीन दिनों में थामा ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 55.10 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वीकेंड पर कमाई बढ़ने की उम्मीद है। थामा की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ती दिख रही है, लेकिन इसने राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर अभिनीत फिल्म रूही के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है, जो 30.33 करोड़ रुपये था। इसके अलावा सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 का लाइफटाइम कलेक्शन रिकॉर्ड भी टूट गया है, जो 24.24 करोड़ रुपये था। बता दें कि मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म थामा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी हैं।

Chhath- ancient tradition of homage

Hitesh Varma

Ranchi

As the dawn of Chaturthi, Karthik Shukla Paksha breaks, fervent prayers arise,
Chhath, a celebration that touches the skies,
A homage to the Nature & Sun, so bright,
Nature's bounty filling hearts with delight.
Oh Chhath, the bond with environment gleams,
Uniting families under nature's streams,
With each passing ray, our gratitude grows,
For health, wealth, and prosperity it bestows.

The riverbanks come alive with vibrant hues,
Devotees gather, their spirits renewed,
Offerings of fruits and lamps so grand,
A spectacle of faith across the land.

Oh Chhath, a tale of love and devotion,
A testament to our eternal connection,
In harmony with nature, we stand tall,
Cementing bonds, uniting one and all.

Oh Chhath, the bond with environment gleams,
Uniting families under nature's streams,
With each passing ray, our gratitude grows,
For health, wealth, and prosperity it bestows.

Amidst the chants and rhythmic beats,
We offer our prayers, our souls complete,
With folded hands and hopeful hearts,
We seek blessings as the Sun departs.

Oh Chhath, a time for reflection and grace,
An embrace of nature's ever-changing face,
We give thanks for the moments we share,
For the love and unity we all hold dear.

Oh Chhath, the bond with environment gleams,
Uniting families under nature's streams,
With each passing ray of the dawn, our gratitude grows,
For health, wealth, and prosperity it bestows.

Through the cycles of life, we find solace,
Chhath, a reminder of nature's embrace,
So let us cherish this eternal bond,
With hope and love, forever respond.

A young man shot himself dead inside a car in Hazratganj, Lucknow; a licensed revolver was found at the scene

AGENCIES

Lucknow: The Hazratganj area, located in the heart of the capital, Lucknow, was rocked on Saturday night when a young man committed suicide by shooting himself inside his car. Upon receiving information at around 11:40 pm, Hazratganj police station, Deputy Commissioner of Police (Central), Additional Deputy Commissioner of Police (Central), Assistant Commissioner of Police (Hazratganj), and a team from the field unit arrived at the scene. Police officers inspected the scene and collected evidence. A Honda BRV car (UP32KE8099) was found parked at the scene, running. A young man was found dead in the driver's seat inside the car, with a bullet mark on his right temple. Police investigation revealed that the young man had shot himself. A revolver was found in the deceased's right hand, and a small piece of foil containing four live cartridges, one empty cartridge in the revolver, and five live cartridges were recovered nearby. In this way, a total of nine live cartridges and one empty cartridge were recovered from the scene. During a search of the purse found at the scene, police also found a revolver license, which identified the deceased as Ishan Garg (approximately 38 years old), son of Parag Garg, resident of Rajajipuram, Talkatora Police Station, Lucknow. Police have notified the family. Upon learning of the incident, panic gripped the area. Acting on information from passersby, the police acted swiftly and cordoned off the scene. A field unit team collected evidence from the scene and began an investigation from all angles. The deceased's body has been sent for post-mortem examination after a preliminary investigation. Preliminary investigation suggests it was a suicide, but the police have not yet reached any conclusions. Police are questioning the deceased's family and acquaintances to determine the reasons behind the suicide. Additionally, footage from nearby CCTV cameras is being examined to determine when and under what circumstances the deceased arrived at the scene. Police officials stated that necessary legal proceedings are underway, and the full circumstances of the incident will become clear after the post-mortem report is received.

Cyclone approaching at 110 km/h, administration of 3 states on high alert

AGENCIES

New Delhi: The deep depression forming in the Bay of Bengal has intensified into a severe cyclonic storm, 'Monthi'. The Meteorological Department predicts that the storm is likely to make landfall between Machilipatnam and Kalingapatnam in Andhra Pradesh, near Kakinada, on the evening or night of October 28. IMD scientist S. Karunasagar said that winds of 45 to 55 km/h will begin to blow near the Andhra coast, gradually increasing to 90-110 km/h. Considering its impact, the administration has declared a high alert in Andhra Pradesh, Odisha, and Tamil Nadu. In Andhra Pradesh, the administration has increased vigilance in the districts in view of the cyclone threat. Control rooms have been set up in all districts, and officials have been instructed to remain vigilant. Control rooms have been established at the Visakhapatnam Collectorate, where people can seek help for any problems related to the cyclone. Helpline numbers 0891-2590102 and 0891-2590100 have been issued. Visakhapatnam Collector MN Harendra Prasad said that staff will be available 24/7 on a shift basis. The Andhra Pradesh government has issued a red alert in the coastal districts and the Rayalaseema region. Chief Minister N. Chandrababu Naidu held an emergency meeting with all district collectors and superintendents of police on Saturday to review the situation. He instructed that there should be no disruption in essential services and that holidays should be declared in schools and colleges if needed. The CM said that NDRF and SDRF teams should be deployed in vulnerable districts. A 'Hospital on Wheels' facility should be kept ready in Kakinada. Electricity and drinking water supply should remain uninterrupted. Government officials said that special control rooms have been set up in Guntur, Nellore, Chittoor, Kakinada, Bapatla, and YSR Kadapa districts. All schools and colleges will remain closed on October 27 and 28. The IMD has warned that heavy to very heavy rainfall (more than 210 mm) is likely in coastal and Rayalaseema districts from October 27 to 29. Thailand has named this cyclonic storm 'Monthha', which means 'fragrant or beautiful flower' in Thai. The Indian Meteorological Department (IMD) has categorized it as a 'Severe Cyclonic Storm'. During this period, winds of 90 to 110 km per hour are expected, and several districts will experience extremely heavy rainfall. According to the IMD, the storm is currently centered in the southeast Bay of Bengal and is continuously moving westward. On Saturday, it was located 460 km west-southwest of Port Blair, 950 km east-southeast of Chennai, and 970 km southeast of Kakinada. Meanwhile, the Odisha government has also activated its disaster management system. 16 districts of the state are likely to be affected by the storm. Revenue and Disaster Management Minister Suresh Pujari held a review meeting with the collectors of 15 districts and said, 'People do not need to panic. The administration is fully prepared. All precautionary measures are being taken before the cyclone.' The government has issued a red alert for Koraput, Malkangiri, Rayagada, Nabarangpur, Kalahandi, Ganjam, and Gajapati districts, while a yellow alert has been issued for nine districts. Holidays for government employees in vulnerable areas have been canceled, and cyclone shelters have been kept ready. According to the IMD, wind speeds could reach up to 80 km/hour from Monday evening. Light to moderate rainfall has also started in the coastal districts of Tamil Nadu. Chennai, Nagapattinam, and Cuddalore districts are likely to experience continuous rainfall for the next four to five days.

Urban Development and Energy Minister A.K. Sharma reviewed the preparations of urban bodies for the Chhath festival

Lucknow: In view of the upcoming Chhath festival, Urban Development and Energy Minister A.K. Sharma held a virtual meeting today to review the preparations of all the urban bodies in the state. The meeting was attended virtually by representatives of the Urban Development Department, Energy Department, Jal Nigam, Urban Bodies Directorate, and all the Municipal Commissioners, Executive Officers of Municipal Councils and Nagar Panchayats, Engineers, and related officials. At the beginning of the meeting, Minister A.K. Sharma said that Chhath festival is not only a festival of faith but also of discipline, cleanliness, and collective responsibility. This occasion demonstrates the dedication, cleanliness, devotion, and unity of the society. He clarified that from an administrative perspective, any negligence or laxity in its preparations will not be acceptable.

The Minister stated that during the Chhath festival, millions of devotees visit the ghats to worship the Sun. Therefore, all municipal bodies should ensure that cleanliness, lighting, drinking water supply, fogging, drainage, and security measures are in place at the ghats. He directed officials to ensure that roads leading to the ghats are level and safe, streetlights are functional, and no exposed power lines are exposed. The Minister also instructed Energy Department officials to ensure that power supply is not disrupted in any area during the Chhath festival. To this end, all feeders should be inspected promptly and necessary repairs should be carried out. The Minister also placed special emphasis on drinking water arrangements, urging municipal bodies to ensure the functionality of water stations and hand pumps. Arrangements for drinking water tankers should be made near the ghats to ensure that devotees face no inconvenience. The Minister also stressed the need to focus on health management, urging municipal bodies to establish first aid centers at the ghats in coordination with the Health Department to provide immediate assistance in case of emergencies.

Women and child safety awareness program organized at Bijnor police station under Mission Shakti 5.0

AGENCIES

Lucknow: As part of the Police Commissionerate Lucknow's Mission Shakti 5.0 campaign, the Bijnor police team organized a special women and child safety awareness program in the Mati village of the police station area today, October 26, 2025. The initiative aims to make women aware of their rights, realize their role in a safe and empowered society, and increase legal awareness. Approximately 60 to 70 women and children attended the program. Police officers explained to the women present which conduct and behaviors constitute crimes and how the law helps them in such cases. Special emphasis was also placed on cybersecurity awareness and measures to prevent online fraud. Women were cautioned against sharing OTPs or personal information with unknown individuals and to be cautious in online transactions. During the program, women were informed about various helpline numbers—1076, 1090, 112, 181, 1930, 102, and 108—so that they could receive immediate assistance if needed. The services of the Mahila Suraksha Kendra, Mahila Help Desk, and Mission Shakti Kendra, operated at the police station level, were also explained in detail. Women were encouraged to seek counseling and prompt assistance from these centers. During the program, women and children present were also informed about the concepts of good touch and bad touch, the POCSO Act, and legal provisions related to harassment of women. It was ensured that women were fully aware of their rights, safety measures, and legal aid resources. The program was conducted by Bijnor Police Station's female sub-inspector, Soumya Mishra, sub-inspector, Ramraj Singh, female constables Bhavana and Akanksha Awasthi, and other female beat officers and the anti-Romeo team.

Mayor Sushma Kharwal inspected the city's ghats on the occasion of Chhath Mahaparva

AGENCIES

Lucknow: In view of the Chhath festival, Lucknow Mayor Sushma Kharwal visited various ghats in the city on Sunday to review the preparations. She inspected the cleanliness, lighting, security arrangements, and drainage at the Chhath ghats located at Om Ganga Ghat (Chaturiya Ghat), Kudia Ghat, Devraha Baba Ghat (Panchmukhi Hanuman Temple), and Durga Temple, Ishwari Kheda (Vrindavan). The Mayor gave clear instructions to the officials to ensure that devotees do not face any inconvenience and that all arrangements are completed in a timely and satisfactory manner. The Mayor began the inspection at Om Ganga Ghat (Chaturiya Ghat) in Zone 6. During the inspection, she reviewed the cleanliness, lighting, and security arrangements at the ghat complex. She directed the concerned officials to pay special attention to adequate lighting, water level monitoring, barricading, first aid, and a control room. Present during the inspection were General Secretary, Metropolitan Lucknow, Ram Avtar Kanaujia, Honorable Executive Member and Councilor Anurag Mishra 'Annu', Mandal President Daya Pandey, along with other dignitaries and officials. The Mayor then visited Kudiya Ghat, where he reviewed the ghat's cleanliness, lighting, security, and traffic management. He advised officials to ensure that all arrangements are smooth and safe, as thousands of devotees gather for the Chhath festival. The Mayor also emphasized the need for coordination between the traffic police and the Municipal Corporation. Present on the occasion were General Secretary Ram Avtar Kanaujia, Councilor Anurag Mishra 'Annu', Mandal President Daya Pandey, other dignitaries, and Municipal Corporation officials. The Mayor then inspected Devraha Baba Ghat (Panchmukhi Hanuman Temple, Zone 4). He closely reviewed the cleanliness, lighting, security arrangements, and other facilities at the ghat and directed the concerned officials to ensure a comfortable, safe, and hygienic environment for the devotees. Councilor Pramod Rajan, Zonal Officer, Zone 4, Sanjay Yadav, and other dignitaries and officials were present. Finally, the Mayor inspected the Chhath Ghat located at Durga Temple, Ishwari Kheda (Vrindavan, Zone 8). She reviewed the preparations for cleanliness, lighting, security management, and drainage at the ghat and directed that all work be completed in a timely and satisfactory manner. She stated that Chhath Mahaparva is a festival of public faith, and it is the Municipal Corporation's responsibility to provide devotees with a clean, safe, and beautiful environment. Councilor Saurabh Singh Monu, Councilor Representative Sunil Shankhdhar, Zonal Officer Ajit Rai, Executive Engineer Sheel Srivastava, and other dignitaries and Municipal Corporation officials were present on the occasion. Mayor Sushma Kharwal directed all officials to ensure that cleanliness, lighting, security, and traffic management are in place at all ghats during the Chhath festival, so that devotees can enjoy the festival with devotion, faith, and ease.

Arvind Kejriwal and CM Bhagwant Mann attended to commemorate the 350th martyrdom day of Guru Tegh Bahadur

AGENCIES

New Delhi: Punjab Chief Minister Bhagwant Singh Mann and Aam Aadmi Party national convener Arvind Kejriwal participated in the Kirtan Darbar organised as part of the series of events organised by the Punjab government to mark the 350th martyrdom day of Sri Guru Tegh Bahadur Ji and enjoyed the spiritual Kirtan. Addressing the gathering during the Kirtan Darbar at Gurdwara Rakab Ganj Sahib, the AAP National Convenor said that the Punjab government is fortunate to have the opportunity to organize commemorative events dedicated to the ninth Guru, Sri Guru Tegh Bahadur Ji. He said that these events organized by the Punjab government have started from the national capital today. Arvind Kejriwal said that the Mughals had planned to forcibly convert Hindus to Islam, after which Kashmiri Pandits came to Sri Guru Tegh Bahadur Ji for help to protect their religion. The National Convenor said that despite many offers, Guru Sahib refused to bow down to the tyranny of the Mughal Emperor and chose the path of martyrdom to protect the religion. He said that Shri Guru Tegh Bahadur Ji was martyred in Delhi in 1675 and is remembered across the world as the first martyr who sacrificed his life for the protection of human rights. Arvind Kejriwal said that the pages of world history are filled with great incidents of courage, sacrifice and service, yet the martyrdom of Shri Guru Tegh Bahadur Ji for religious freedom and human values added an unprecedented chapter to human history. The AAP National Convenor said that instead of bowing to the power of the Mughal rulers, Guru Sahib Ji shook the roots of oppression with his martyrdom. He noted that before Guru Sahib Ji's martyrdom, his grandfather, Sri Guru Arjan Dev Ji, was also martyred by the Mughal rulers through torture. Arvind Kejriwal said that the great martyrdom of Sri Guru Tegh Bahadur Ji in defense of truth and righteousness changed the course of Indian history. The National Convenor said that the martyrdom of great souls shows the world a new path and brings about significant changes, thereby reshaping the unique identity of society and community. He further said that through his martyrdom, Guru Sahib gave a clear message to the rulers that religion cannot be imposed on anyone by force. Arvind Kejriwal said that Guru Sahib's martyrdom instilled in the Sikhs a new spirit of fearlessness, courage, self-respect and the will to become protectors of the oppressed and saviors of humanity. The AAP national convener stated that Guru Sahib showed all humanity the path to live with self-respect. He added that before Guru Ji's martyrdom in Delhi's Chandni Chowk, Bhai Mati Das, Bhai Sati Das, and Bhai Diyala Ji were tortured and martyred. Arvind Kejriwal stated that Bhai Mati Das Ji was sawed alive, Bhai Sati Das Ji was wrapped in a handkerchief and burned, while Bhai Diyala Ji was martyred by boiling in water. He said that on this occasion, the Sangat also pays tribute to Bhai Jaita Ji, a staunch devotee of the Gurghar, who, despite the oppressive behavior of the Mughal regime, brought Guru Sahib's head from Chandni Chowk in Delhi to Sri Kiratpur Sahib. Paying tribute to Bhai Lakhi Shah Vanjara Ji, Arvind Kejriwal said that he risked his life to preserve Guru Sahib's body and performed his last rites at his home. Gurdwara Rakab Ganj Sahib now adorns this spot. He said that Sikh history is filled with martyrdoms, as martyrdom holds the highest place in Sikhism. He said that Sikh martyrs never bowed to oppression or injustice; they sacrificed their lives but never abandoned their Sikh principles. During this, the Chief Minister said that the sacrifice of these martyrs was not only for their own benefit, but for the welfare of humanity and for truth and justice. He said that the Khalsa Panth was established on the holy land of Sri Anandpur Sahib in 1699, 24 years after the martyrdom of Sri Guru Tegh Bahadur Ji. Bhagwant Singh Mann said that the Tenth Guru, Sri Guru Gobind Singh Ji, sacrificed his entire family for the religion, which is a unique example in the history of the entire world. The Chief Minister said that the Punjabi people have inherited the spirit of standing up to oppression and fighting injustice from Sri Guru Arjan Dev Ji, Sri Guru Tegh Bahadur Ji, and Sri Guru Gobind Singh Ji. He said that the spirit of sacrifice is in our blood, and Punjabis take pride in their great heritage. Bhagwant Singh Mann said that the purpose of celebrating this great and sacred day is to spread the philosophy and teachings of the Ninth Guru, Sri Guru Tegh Bahadur Ji, throughout the world, so that the ideals of peace, goodwill, and secularism, for which he sacrificed his life, can be preserved. The Chief Minister said that communities that forget their glorious heritage are quickly erased from the pages of history. He added that communities that draw inspiration from their background and follow the path of martyrdom find a ray of hope even in the darkest of times. Bhagwant Singh Mann said that the Ninth Guru was a proponent of unity and secularism. He further said that his life and teachings are a beacon for all humanity.

Lucknow Police completes preparations for Chhath festival, makes elaborate security and amenities arrangements at 92 ghats

AGENCIES

Lucknow: The Lucknow Police Commissionerate has finalized extensive security and traffic arrangements to ensure a peaceful and safe celebration of the Chhath Puja festival, to be celebrated on Tuesday, October 28th. Following the Police Commissioner's direction, ghats and major places of worship were inspected in all zones of the city, and orders were given to complete all necessary preparations on time. This year, Chhath Puja will be celebrated at a total of 92 ghats in Lucknow. This includes 30 ghats in the Eastern Zone, 12 in the Western Zone, 6 in the Northern Zone, 35 in the Southern Zone, and 9 in the Central Zone. The major ghats include Kudiya Ghat, Gorilla Talab (Para Market Dr. Kheda), Laxman Mela Ghat, Jhulelal Park, Chhohariya Mata Temple, Imli Badhan Temple, Gauri Bazaar, Lallumal Ghat, Pakka Pul, Hanuman Setu, Nishatganj, Khatu Shyam Mandir Ghat, Gomti Barrage, Pipra Ghat, and Maa Chandrika Devi Ghat. The Police Commissioner, along with all zonal Deputy Commissioners of Police (DCPs) and other officers, inspected the preparations at the ghats and directed them to ensure timely completion. To ensure security and order during the festival, a total of 1,572 non-gazetted officers, including 14 gazetted officers, 75 inspectors, 472 sub-inspectors, 51 women sub-inspectors, 645 head constables/constables, and 329 women constables, have been deployed. In addition, six companies, two platoons, and 1.5 sections of the PAC will also be deployed. To facilitate traffic flow, 50 traffic sub-inspectors, 50 head constables, 112 constables, and 25 home guard personnel will be deployed, supervised by senior officers. Temporary toilets, cleaning, disinfectant spraying, and women's changing rooms have been arranged at the ghats for the convenience of devotees. Medical teams and ambulances have also been deployed. Barricades have been erected to prevent people from entering deep waters, and water police, steamers, and motorboats have been made available. Anti-Romeo teams and women police officers in plain clothes have been deployed to protect women and children. Control rooms have been established at each ghat, and ghat in-charges have been appointed. The availability of fire tenders and firefighting equipment has also been ensured. To enhance security and surveillance,

CM Siddaramaiah may reshuffle the cabinet before New Year

AGENCIES

Bengaluru: Karnataka Chief Minister Siddaramaiah has indicated that a cabinet reshuffle may take place after his government completes two and a half years in office, i.e., after November. Speaking to the media, Siddaramaiah revealed that the Congress high command had suggested a cabinet expansion four months ago. However, he informed the high command that the reshuffle would take place after the government completes two and a half years. The CM said, "After crossing the two-and-a-half-year mark, I will discuss the matter with the party high command and take a decision according to their instructions." Siddaramaiah will visit Delhi on November 16, where he will attend the book launch ceremony of senior lawyer and former Congress leader Kapil Sibal. During this visit, he will also meet with the Congress high command and discuss the progress of his government's development works. He also informed that the winter session of the Karnataka Legislative Assembly will be held in December. This reshuffle is being proposed at a time when the Siddaramaiah government is completing two and a half years

in office. Since the formation of the Congress government in Karnataka, there has been much speculation that an agreement was reached between Siddaramaiah and Deputy Chief Minister D.K. Shivakumar to share the Chief Minister's post for two and a half years each. Although the party leadership has denied any such formal agreement, this issue has repeatedly made headlines in Karnataka politics. After the Congress victory in 2023, both Siddaramaiah and D.K. Shivakumar were strong contenders for the Chief Minister's post. After lengthy discussions on this issue, both leaders met with the party high command in Delhi. Ultimately, Siddaramaiah was made the Chief Minister, but since then, it has been speculated that D.K. Shivakumar might be given the responsibility after two and a half years.